CHANGING CULTURAL TRADITIONS

बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

THEME
7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

There is a vast amount of material on European history from the fourteenth century – documents, printed books, paintings, sculptures, buildings, textiles. Much of this has been carefully preserved in archives, art galleries and museums in Europe and America.

चौदहवीं शताब्दी से यूरोपीय इतिहास की जानकारी के लिए बहुत अधिक सामग्री दस्तावेज़ों, मुद्रित पुस्तकों, चित्रों, मूर्तियों, भवनों तथा वस्त्रों से प्राप्त होती है जो यूरोप और अमरीका के अभिलेखागारों, कला-चित्रशालाओं और संग्रहालयों में सुरक्षित रखी हुई हैं।

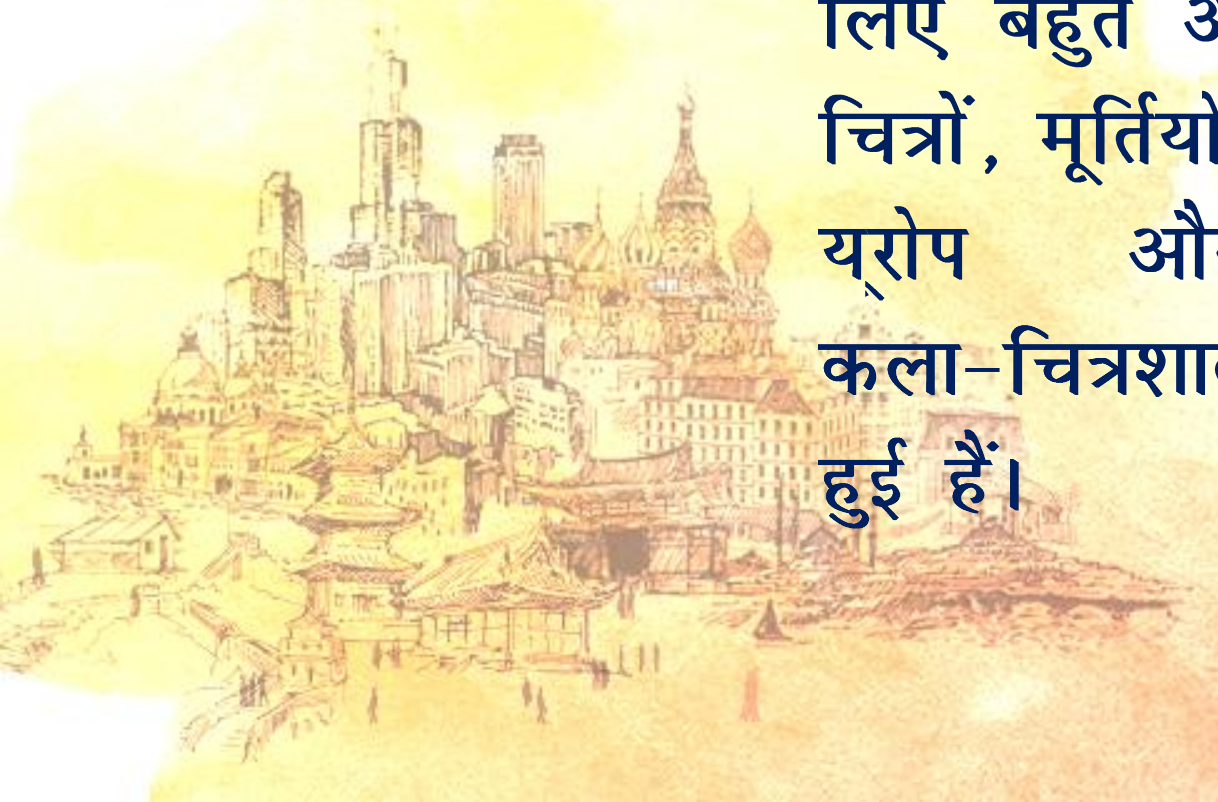

THEME 7th — CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

From the nineteenth century, historians used the term 'Renaissance' (literally, rebirth) to describe the cultural changes of this period.

उन्नीसवीं शताब्दी के इतिहासकारों ने 'रेनेसां' (शाब्दिक अर्थ–पुनर्जन्म, हिंदी में पुनर्जागरण) शब्द का प्रयोग किया जो उस काल के सांस्कृतिक परिवर्तनों को बताता है।

The historian who emphasised these most was a Swiss scholar – Jacob Burckhardt (1818–97) of the University of Basle in Switzerland.

स्विटज़रलैंड के ब्रेसले विश्वविद्यालय के इतिहासकार जैकब बर्कहार्ट (**Jacob Burckhardt, 1818 - 97**) ने इस पर बहुत अधिक बल दिया।

He was a student of the German historian Leopold von Ranke (1795–1886). Ranke had taught him that the primary concern of the historian was to write about states and politics using papers and files of government departments.

वे जर्मन इतिहासकार लियोपोल्ड वॉन रांके (**Leopold von Ranke, 1795-1886**) के विद्यार्थी थे। रांके ने उन्हें यह बताया कि इतिहासकार का पहला उद्देश्य है कि वह राज्यों और राजनीति के बारे में लिखे जिसके लिए वह सरकारी विभागों के कागज़ात और फाइलों का इस्तेमाल करे।

Burckhardt was dissatisfied with these very limited goals that his master had set out for him. To him politics was not the be-all and endall in history writing. History was as much concerned with culture as with politics.

पर बर्कहार्ट अपने गुरु के सीमित लक्ष्यों से असंतुष्ट थे। उनके अनुसार इतिहास–लेखन में राजनीति ही सब कुछ नहीं है। इतिहास का सरोकार उतना ही संस्कृति से है जितना राजनीति से।

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

❖ The Revival of Italian Cities

❖ इटली के नगरों का पुनरुत्थान

After the fall of the western Roman Empire, many of the towns that had been political and cultural centres in Italy fell into ruin.

पश्चिम रोम साम्राज्य के पतन के बाद इटली के राजनैतिक और सांस्कृतिक केन्द्रों का विनाश हो गया।

इटली के राज्य।

There was no unified government, and the Pope in Rome, who was sovereign in his own state, was not a strong political figure.

इस समय कोई भी एकीकृत सरकार नहीं थी और रोम का पोप जो अपने राज्य में बेशक सार्वभौम था, समस्त यूरोपीय राजनीति में इतना मज़बूत नहीं था।

THEME
7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

While western Europe was being reshaped by feudal bonds and unified under the Latin Church, and eastern Europe under the Byzantine Empire,

एक अरसे से पश्चिमी यूरोप के क्षेत्र, सामंती संबंधों के कारण नया रूप ले रहे थे और लातिनी चर्च के नेतृत्व में उनका एकीकरण हो रहा था। इसी समय पूर्वी यूरोप बाइज़ेंटाइन साम्राज्य के शासन में बदल रहा था।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

इटली के राज्य।

And Islam was creating a common civilisation further west, Italy was weak and fragmented. However, it was these very developments that helped in the revival of Italian culture.

उधर कुछ और पश्चिम में इस्लाम एक सांझी सभ्यता का निर्माण कर रहा था। इटली एक कमज़ोर देश था और अनेक टुकड़ों में बँटा हुआ था। परंतु इन्हीं परिवर्तनों ने इतालवी संस्कृति के पुनरुत्थान में सहायता प्रदान की।

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

One of the most vibrant cities was Venice, another was Genoa. They were different from other parts of Europe – the clergy were not politically dominant here, nor were there powerful feudal lords.

इनमें सर्वाधिक जीवंत शहरों में पहला वेनिस और दूसरा जिनेवा था। वे यूरोप के अन्य क्षेत्रों से इस दृष्टि में अलग थे कि यहां पर धर्माधिकारी और सामंत वर्ग राजनैतिक दृष्टि से शक्तिशाली नहीं थे।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

Rich merchants and bankers actively participated in governing the city, and this helped the idea of citizenship to strike root. Even when these towns were ruled by military despots, the pride felt by the townspeople in being citizens did not weaken.

नगर के धनी व्यापारी और महाजन नगर के शासन में सक्रिय रूप से भाग लेते थे जिससे नागरिकता की भावना पनपने लगी। यहां तक कि जब इन नगरों का शासन सैनिक तानाशाहों के हाथ में रहा तब भी इन नगरों के निवासी अपने को यहां का नागरिक कहने में गर्व का अनुभव करते थे।

❖ The City-State

Cardinal Gasparo Contarini (1483-1542) writes about the democratic government of his city-state in The Commonwealth and Government of Venice (1534).

❖ नगर के धनी

कार्डिनल गेसपारो कोन्तारिनी (**Cardinal Gasparo Contarini, 1483 -1542**) अपने ग्रंथ दि कॉमनवेल्थ एण्ड गवर्नमेंट ऑफ वेनिस (**1534**) में अपने नगर–राज्य की लोकतांत्रिक सरकार के बारे में लिखते हैं:

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

'...to come to the institution of our Venetian commonwealth, the whole authority of the city...is in that council, into which all the gentlemen of the City being once past the age of 25 years are admitted...

"... हमारे वेनिस के संयुक्तमंडल (Commonwealth) की संस्था के बारे में जानने पर आपको ज्ञात होगा कि नगर का संपूर्ण प्राधिकार... एक एसी परिषद् के हाथों में है जिसमें 25 वर्ष से अधिक आयु वाले [संभ्रांत वर्ग के] सभी पुरुषों को सदस्यता मिल जाती है...।

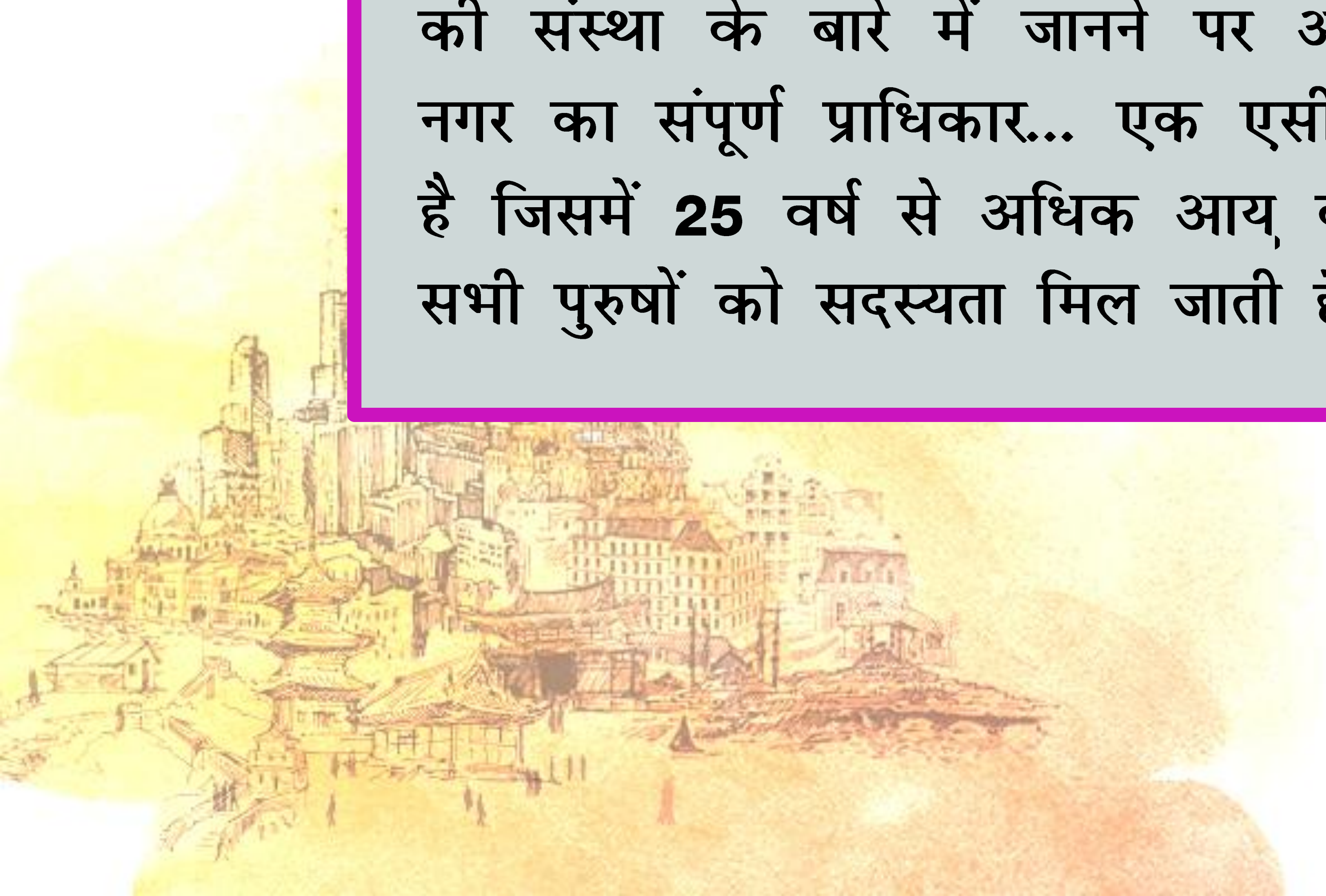

Now first I am to yield you a reckoning how and with what wisdom it was ordained by our ancestors, that the common people should not be admitted into this company of citizens, in whose authority [lies] the whole power of the commonwealth... Because many troubles and popular tumults arise in those cities, whose government is swayed by the common people...

सबसे पहले मैं आपको यह बताऊँगा कि हमारे पूर्वजों ने एसा नियम क्यों बनाया कि सामान्य जनता को नागरिक वर्ग में—जिनके हाथ में संयुक्तमंडल के शासन की बागडोर है—शामिल क्यों नहीं किया जाए... क्योंकि उन नगरों में अनेक प्रकार की गड़बड़ियाँ और जन उपद्रव होते रहते हैं जहां की सरकार पर जन–सामान्य का प्रभाव रहता है।

many were of contrary opinion, deeming that it would do well, if this manner of governing the commonwealth should rather be defined by ability and abundance of riches. Contrariwise the honest citizens, and those that are liberally brought up, oftentimes fall to poverty...

कुछ लोगों के विचार इससे अलग थे। उनका कहना था कि यदि संयुक्त मंडल का शासन-संचालन अधिक कुशलता से करना है तो योग्यता और संपन्नता को आधार बनाना चाहिए। दूसरी ओर सच्चरित्र नागरिक जिनका लालन-पालन उदार वातावरण में होता है वे प्रायः निर्धन हो जाते हैं....

Therefore our wise and prudent ancestors... ordered that this definition of the public rule should go rather by the nobility of lineage, than by the estimation of wealth: yet with that temperature [proviso], that men of chief and supreme nobility should not have this rule alone (for that would rather have been the power of a few than a commonwealth)

इसीलिए हमारे बुद्धिमान और विवेकवान पूर्वजों ने ... यह विचार रखा कि इस सार्वजनिक नियम को बदल कर धन–संपन्नता को आधार न बनाकर कुलीन वंशीय लोगों को प्राथमिकता दी जाए। तथापि इस शर्त के साथ कि केवल उच्च अभिजात वंशीय लोग ही सत्ता में न रहें (क्योंकि एसा करने से चंद लोगों की शक्ति काफी बढ़ जाएगी न कि संयुक्तमंडल की)।

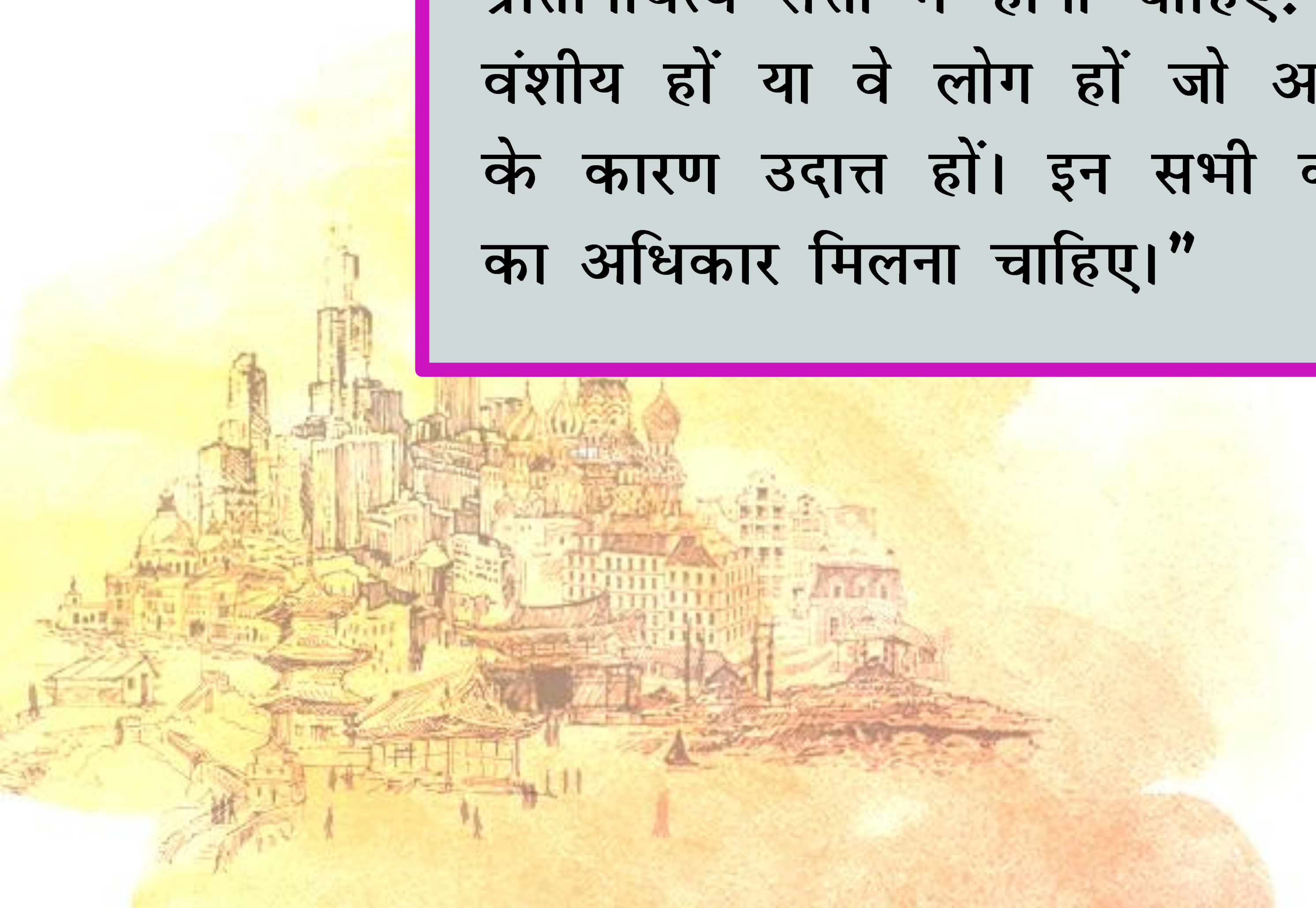

but also every other citizen whosoever not ignobly born: so that all which were noble by birth, or ennobled by virtue, did…obtain this right of government.'

गरीब लोगों को छोड़कर सभी नागरिकों का प्रतिनिधित्व सत्ता में होना चाहिए: चाहें वे अभिजात वंशीय हों या वे लोग हों जो अपने विशिष्ट गुणों के कारण उदात्त हों। इन सभी को सरकार चलाने का अधिकार मिलना चाहिए।"

The Fourteenth and Fifteenth Centuries (चौदहवीं और पंद्रहवीं शताब्दियां)	
1300	**Humanism taught at Padua University in Italy** इटली के पादुआ विश्वविद्यालय में मानवतावाद पढ़ाया जाने लगा
1341	**Petrarch given title of 'Poet Laureate' in Rome** पेट्रार्क को रोम में 'राजकवि' की उपाधि से सम्मानित किया गया
1349	**University established in Florence** फ्लोरेंस में विश्वविद्यालय की स्थापना

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

1390	**Geoffrey Chaucer's Canterbury Tales published** जेफ़्री चॉसर की 'केन्टरबरी टेल्स' का प्रकाशन
1436	**Brunelleschi designs the Duomo in Florence** ब्रुनेलेशी ने फ्लोरेंस में ड्यूमा का परिरूप तैयार किया
1453	**Ottoman Turks defeat the Byzantine ruler of Constantinople** कुंस्तुनतुनिया के बाइज़ेंटाइन शासक को ऑटोमन तुर्कों ने पराजित किया
1454	**Gutenberg prints the Bible with movable type** गुटेनबर्ग ने विभाज्य टाइप (Movable type) से बाईबल का प्रकाशन किया

THEME
7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

1484	**Portuguese mathematicians calculate latitude by observing the sun** पुर्तगाली गणितज्ञों ने सूर्य का अध्ययन कर अक्षांश की गणना की
1492	**Columbus reaches America** कोलम्बस अमरीका पहुँचे
1495	**Leonardo da Vinci paints The Last Supper** लियोनार्डो द विंची ने 'द लास्ट सपर' (अंतिमभोज) चित्र बनाया
1512	**Michelangelo paints the Sistine Chapel ceiling** माइकल एन्जिलो ने सिस्टीन चैपल की छत पर चित्र बनाए

❖ Universities and Humanism

❖ विश्वविद्यालय और मानवतावाद

The earliest universities in Europe had been set up in Italian towns. The universities of Padua and Bologna had been centres of legal studies from the eleventh century.

यूरोप में सबसे पहले विश्वविद्यालय इटली के शहरों में स्थापित हुए। ग्यारहवीं शताब्दी से पादुआ और बोलोनिया (**Bologna**) विश्वविद्यालय विधिशास्त्र के अध्ययन केंद्र रहे।

Universities of Padua

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

Commerce being the chief activity in the city, there was an increasing demand for lawyers and notaries (a combination of solicitor and record-keeper) to write and interpret rules and written agreements without which trade on a large scale was not possible.

इसका कारण था यह कि इन नगरों के प्रमुख क्रियाकलाप व्यापार और वाणिज्य संबंधी थे इसलिए वकीलों और नोटरी (यह सोलिसिटर और अभिलेखपाल दोनों के कार्य करते थे) की बहुत अधिक आवश्यकता होती थी क्योंकि वे नियमों को लिखते, उनकी व्याख्या करते और समझौते तैयार करते थे। इनके बिना बड़े पैमाने पर व्यापार करना संभव नहीं था।

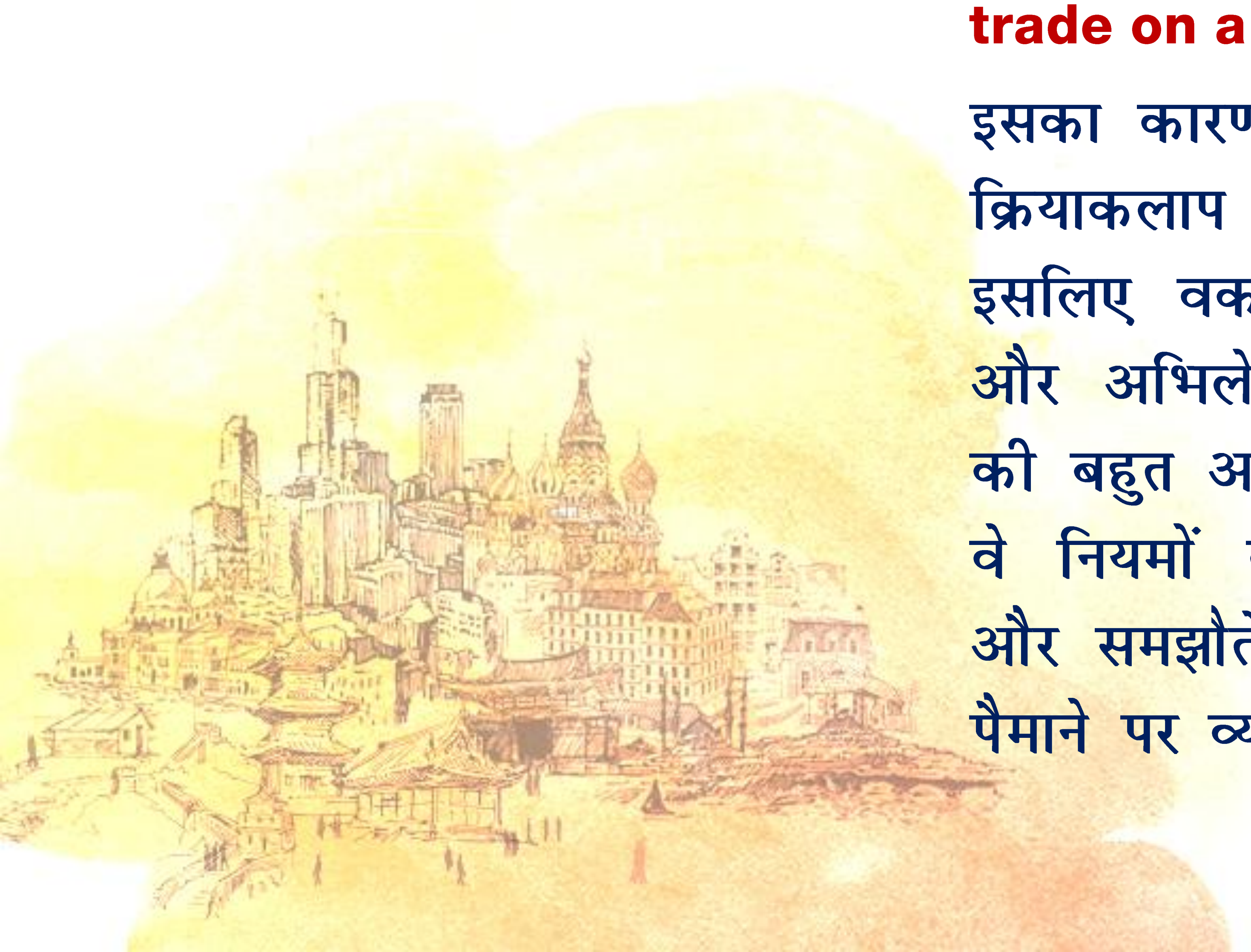

Law was therefore a popular subject of study, but there was now a shift in emphasis. It was studied in the context of earlier Roman culture. Francesco Petrarch (1304-78) represented this change.

यही कारण था कि कानून का अध्ययन एक प्रिय विषय बन गया। लेकिन कानून के अध्ययन में यह बदलाव आया कि उसे रोमन संस्कृति के संदर्भ में पढ़ा जाने लगा। फ्रांचेस्को पेट्रार्क (1304 - 1378) इस परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करते हैं।

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

This educational programme implied that there was much to be learnt which religious teaching alone could not give. This was the culture which historians in the nineteenth century were to label ‘humanism’.

इस शिक्षा कार्यक्रम में यह अंतर्निहित था कि बहुत कुछ जानना बाकी है और यह सब हम केवल धार्मिक शिक्षण से नहीं सीखते। इसी नयो संस्कृति को उन्नीसवीं शताब्दी के इतिहासकारों ने ‘मानवतावाद’ नाम दिया।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

By the early fifteenth century, the term ‘humanist’ was used for masters who taught grammar, rhetoric, poetry, history and moral philosophy.

पंद्रहवीं शताब्दी के शुरू के दशकों में ‘मानवतावादी’ शब्द उन अध्यापकों के लिए प्रयुक्त होता था जो व्याकरण, अलंकारशास्त्र, कविता, इतिहास और नीतिदर्शन विषय पढ़ाते थे।

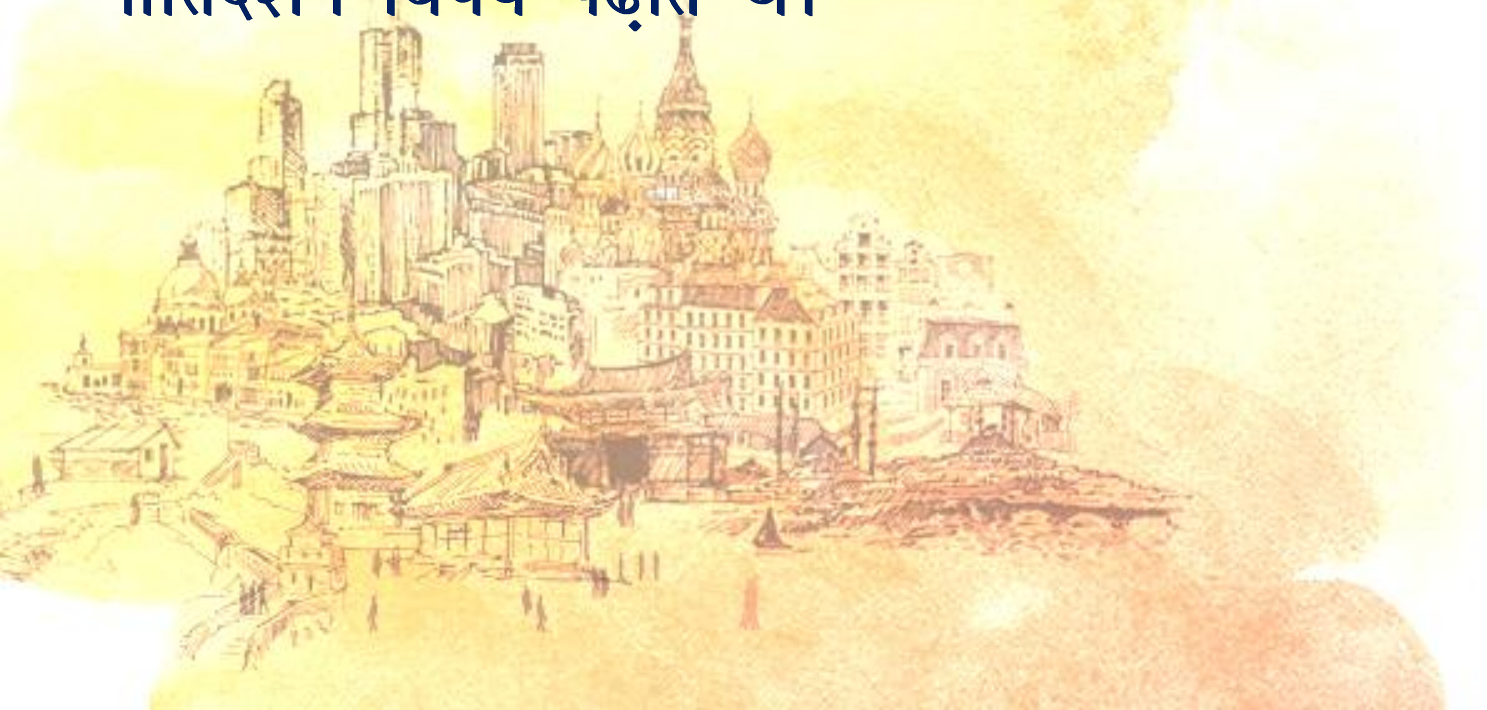

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS

बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

The Latin word humanitas, from which 'humanities' was derived, had been used many centuries ago by the Roman lawyer and essayist Cicero (106-43 BCE), a contemporary of Julius Caesar, to mean culture.

लातिनी शब्द 'ह्यूमेनिटास' जिससे 'ह्यूमेनिटिज़' शब्द बना है जिसे कई शताब्दियों पहले रोम के वकील तथा निबंधकार सिसरो (**Cicero, 106 - 43** ई.पू.) ने, जो कि जूलियस सीज़र का समकालीन था, 'संस्कृति' के अर्थ में लिया था।

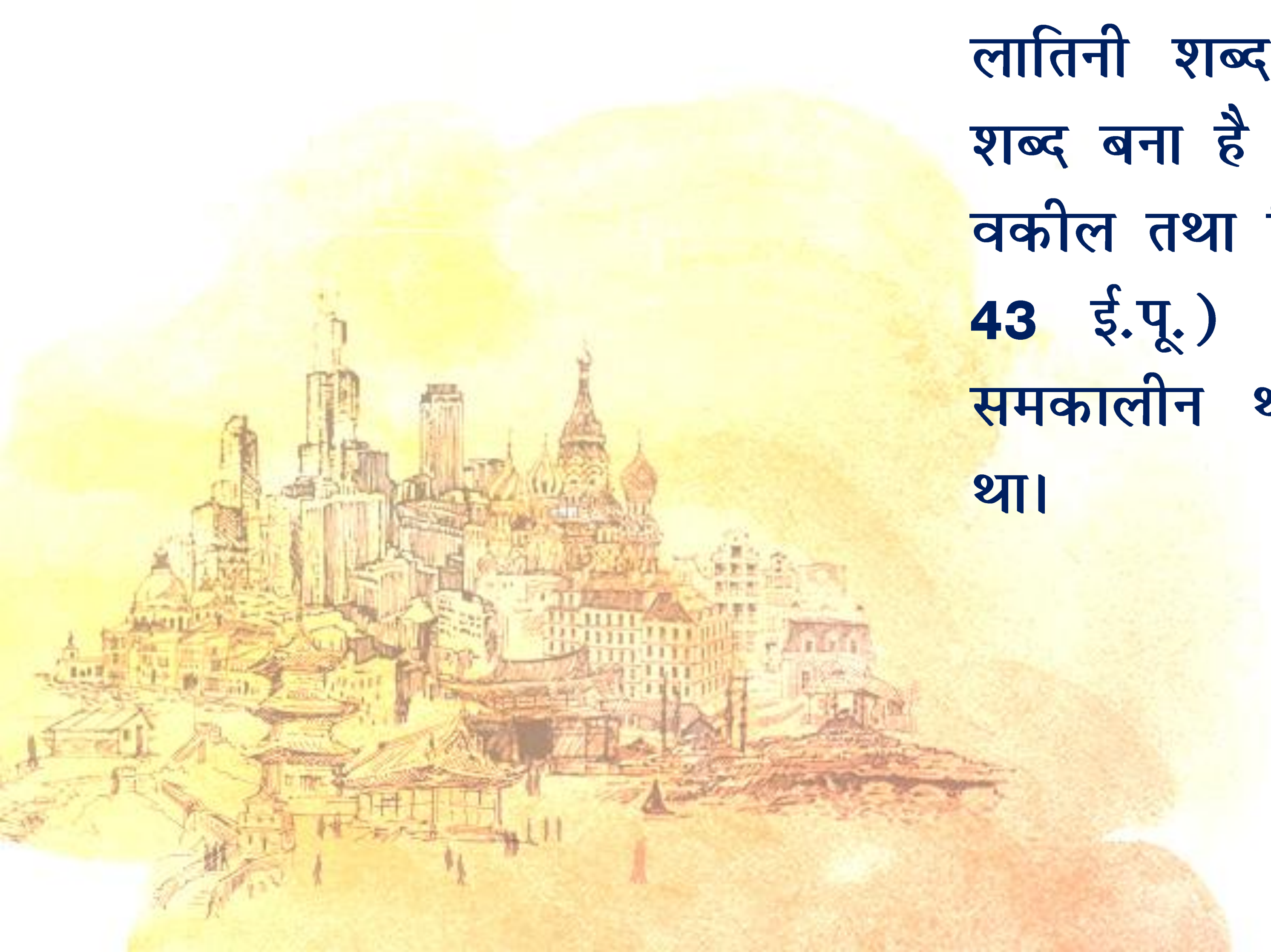

These subjects were not drawn from or connected with religion, and emphasised skills developed by individuals through discussion and debate.

य विषय धार्मिक नहीं थे वरन् उस कौशल पर बल देते थे जो व्यक्ति चर्चा और वाद–विवाद से विकसित करता है।

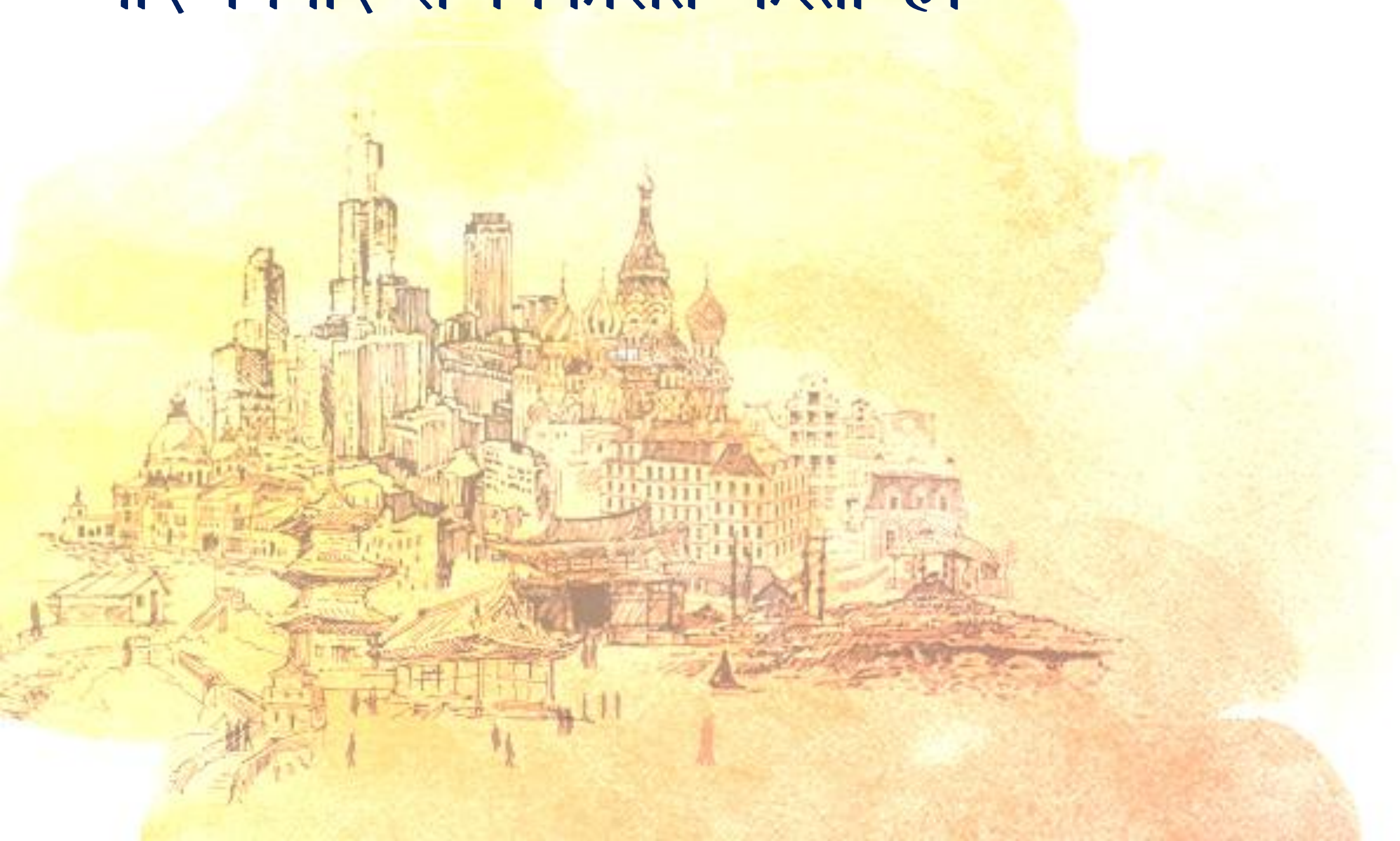

These revolutionary ideas attracted attention in many other universities, particularly in the newly established university in Petrarch's own home-town of Florence.

इन क्रांतिकारी विचारों ने अनेक विश्वविद्यालयों का ध्यान आकर्षित किया। इनमें एक नया–नया स्थापित विश्वविद्यालय फ्लोरेंस भी था जो पेट्रार्क का स्थायो नगर–निवास था।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

Till the end of the thirteenth century, this city had not made a mark as a centre of trade or of learning, but things changed dramatically in the fifteenth century.

इस नगर ने तेरहवीं शताब्दी के अंत तक व्यापार या शिक्षा के क्षेत्र में कोई विशेष तरक्की नहीं की थी पर पंद्रहवीं शताब्दी में सब कुछ पूरी तरह बदल गया।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

Giovanni Pico della Mirandola (1463-94), a humanist of Florence, wrote on the importance of debate in On the Dignity of Man (1486).

फ्लोरेंस के मानवतावादी जोवान्ने पिको देल्ला मिरांदोला (**Giovanni Pico della Mirandola, 1463 - 94**) ने ऑन दि डिगनिटी ऑफ मैन (**1486**) नामक पुस्तक में वाद–विवाद के महत्त्व पर लिखा–

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

'For [Plato and Aristotle] it was certain that, for the attainment of the knowledge of truth they were always seeking for themselves, nothing is better than to attend as often as possible the exercise of debate. For just as bodily energy is strengthened by gymnastic exercise, so beyond doubt in this wrestling-place of letters, as it were, energy of mind becomes far stronger and more vigorous.'

"(प्लेटो और अरस्तू) के अनुसार सत्य की खोज करने और इसे प्राप्त करने के लिए वे हमेशा जुटे रहते थे और उनका कहना था कि जहां तक हो सके विचारगोष्ठियों में जाना चाहिए और वाद–विवाद करना चाहिए। यह उसी तरह है जैसे शरीर को मज़बूत बनाने के लिए कसरत ज़रूरी है, दिमाग की ताकत को बढ़ाने के लिए शब्दों के दंगल में उतरना ज़रूरी है। इससे दिमागी ताकत बढ़ने के साथ – साथ और अधिक औजस्वी होती है।

THEME
7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

A city is known by its great citizens as much as by its wealth,

किसी भी नगर की पहचान उसके महान नागरिकों के साथ–साथ उसकी संपन्नता से बनती है।

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

University of Florence

Florence had come to be known because of Dante Alighieri (1265-1321), a layman who wrote on religious themes, and Giotto (1267-1337), an artist who painted lifelike portraits, very different from the stiff figures done by earlier artists.

फ्लोरेंस की प्रसिद्धि में दो लोगों का बड़ा हाथ था। . इनमें से एक व्यक्ति थे दाँते अलिगहियरी (**Dante Alighieri, 1265 – 1321**) जो किसी धार्मिक संप्रदाय विशेष से संबंधित नहीं थे पर उन्होंने अपनी कलम धार्मिक विषयों पर चलायो थी। दूसरे व्यक्ति थे कलाकार जोटो (**Giotto, 1267–1337**) जिन्होंने जीते–जागते रूपचित्र (**Portrait**) बनाए। उनके बनाए रूपचित्र पहले के कलाकारों की तरह बेजान नहीं थे।

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

From then it developed as the most exciting intellectual city in Italy and as a centre of artistic creativity.

इसके बाद धोरे-धोरे .फ्लोरेंस, इटली के सबसे जीवंत बौद्धिक नगर के रूप में जाना जाने लगा और कलात्मक कृतियों के सृजन का केन्द्र बन गया।

फ़्लोरेंस, 1470 में बनाया गया एक रेखाचित्र।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

The term ‘Renaissance Man’ is often used to describe a person with many interests and skills, because many of the individuals who became well known at this time were people of many parts. They were scholardiplomat-theologian-artist combined in one.

‘रेनेसां व्यक्ति’ शब्द का प्रयोग प्रायः उस मनुष्य के लिए किया जाता है जिसकी अनेक रुचियां हों और अनेक हुनर में उसे महारत प्राप्त हो। पुनर्जागरण काल में अनेक महान लोग हुए जो अनेक रुचियां रखते थे और कई कलाओं में कुशल थे। उदाहरण के लिए, एक ही व्यक्ति विद्वान, कूटनीतिज्ञ, धर्मशास्त्रज्ञ और कलाकार हो सकता था।

❖The Humanist View of History

❖ इतिहास का मानवतावादी दृष्टिकोण

Humanists thought that they were restoring 'true civilisation' after centuries of darkness, for they believed that a 'dark age' had set in after the collapse of the Roman Empire.

मानवतावादी समझते थे कि वह अंधकार की कई शब्तादियों बाद सभ्यता के सही रूप को पुनः स्थापित कर रहे हैं। इसके पीछे यह मान्यता थी कि रोमन साम्राज्य के टूटने के बाद 'अंधकारयुग' शुरू हुआ।

जोटो द्वारा रचित चित्र, असिसी, इटली।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

Following them, later scholars unquestioningly assumed that a 'new age' had begun in Europe from the fourteenth century. The term 'Middle Ages'/'medieval period' was used for the millennium (thousand years) after the fall of Rome.

मानवतावादियों की भाँति बाद के विद्वानों ने बिना कोई प्रश्न उठाए यह मान लिया कि यूरोप में चौदहवीं शताब्दी के बाद 'नए युग' का जन्म हुआ। 'मध्यकाल' जैसी संज्ञाओं का प्रयोग रोम साम्राज्य के पतन के बाद एक हज़ार वर्ष की समयावधि के लिए किया गया।

In the ‘Middle Ages’, they argued, the Church had had such complete control over men’s minds that all the learning of the Greeks and Romans had been blotted out. The humanists used the word ‘modern’ for the period from the fifteenth century.

उनके यह तर्क थे कि ‘मध्ययुग’ में चर्च ने लोगों की सोच को इस तरह जकड रखा था कि यूनान और रोमवासियों का समस्त ज्ञान उनके दिमाग से निकल चुका था। मानवतावादियों ने ‘आधुनिक’ शब्द का प्रयोग पंद्रहवीं शताब्दी से शुरू होने वाले काल के लिए किया।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

❖ **Periodisation used by humanists and by later scholars**

❖ मानवतावादियों और बाद के विद्वानों द्वारा प्रयुक्त कालक्रम (**Periodisation**)।

5th –14th century (शताब्दी)	**The Middle Ages** (मध्य युग)
5th – 9th century (शताब्दी)	**The Dark Ages** (अंधकार युग)
9th – 11th century (शताब्दी)	**The Early Middle Ages** (आरंभिक मध्य युग)
11th – 14th century (शताब्दी)	**The Late Middle Ages** (उत्तर मध्य युग)
15th century onwards (शताब्दी से)	**The Modern Age** (आधुनिक युग)

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

❖ Science and Philosophy: The Arabs' Contribution

❖विज्ञान और दर्शन–अरबीयों का योगदान

Much of the writings of the Greeks and Romans had been familiar to monks and clergymen through the 'Middle Ages', but they had not made these widely known.

पूरे मध्यकाल में ईसाई गिरजाघरों और मठों के विद्वान यूनानी और रोमन विद्वानों की कृतियों से परिचित थे। पर इन लोगों ने इन रचनाओं का प्रचार–प्रसार नहीं किया।

THEME
7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

In the fourteenth century, many scholars began to read translated works of Greek writers like Plato and Aristotle.

चौदहवीं शताब्दी में अनेक विद्वानों ने प्लेटो और अरस्तू के ग्रंथों से अनुवादों को पढ़ना शुरू किया।

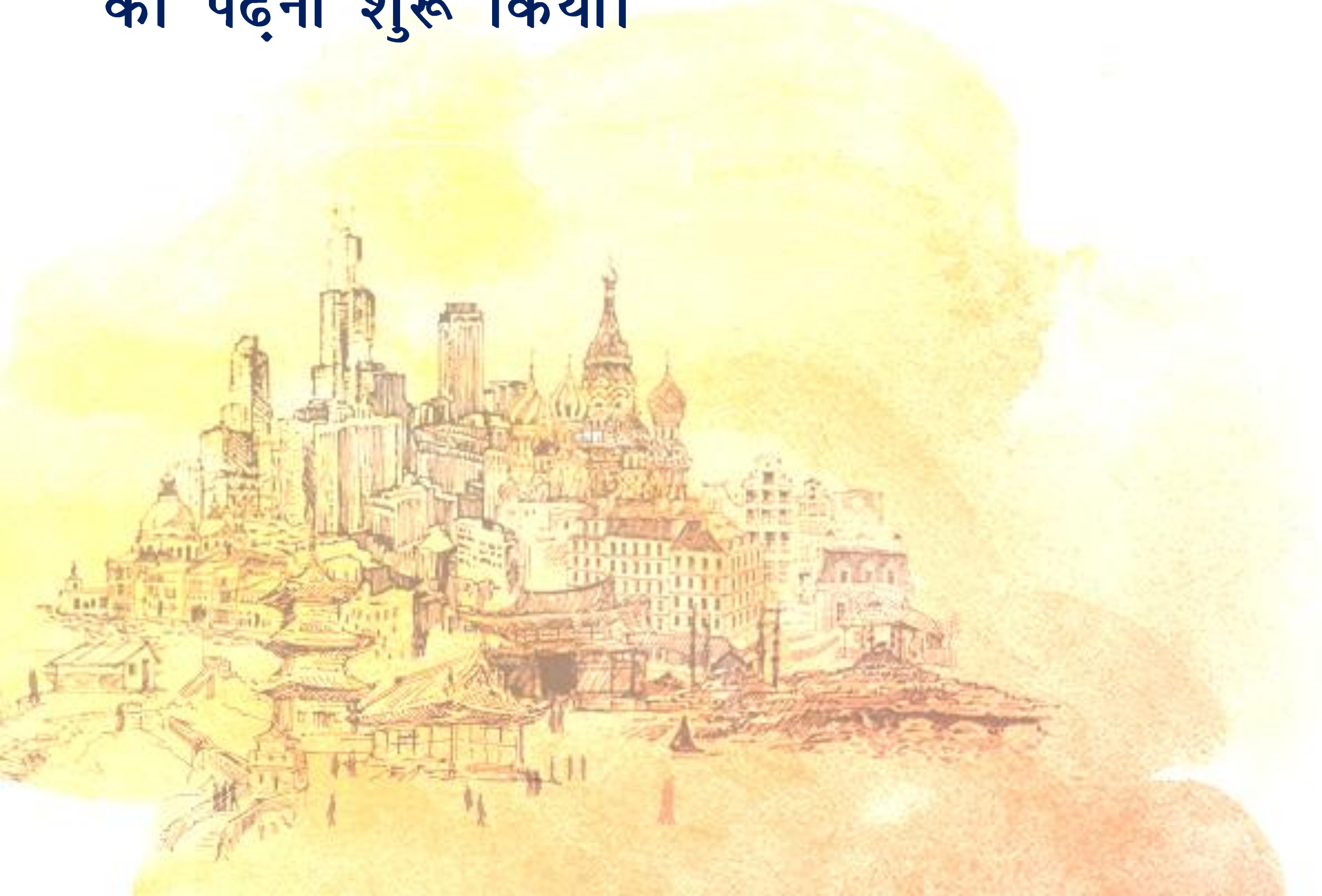

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

While some European scholars read Greek in Arabic translation, the Greeks translated works of Arabic and Persian scholars for further transmission to other Europeans. These were works on natural science, mathematics, astronomy, medicine and chemistry.

जबकि एक ओर यूरोप के विद्वान यूनानी ग्रंथों के अरबी अनुवादों का अध्ययन कर रहे थे दूसरी ओर यूनानी विद्वान अरबी और फ़ारसी विद्वानों की कृतियों को अन्य यूरोपीय लोगों के बीच प्रसार के लिए अनुवाद कर रहे थे। य ग्रंथ प्राकृतिक विज्ञान, गणित, खगोल विज्ञान (astronomy), औषधि विज्ञान और रसायन विज्ञान से संबंधित थे।

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

Humanists reached out to people in a variety of ways. Though the curricula in universities continued to be dominated by law, medicine and theology, humanist subjects slowly began to be introduced in schools, not just in Italy but in other European countries as well.

मानवतावादी अपनी बात लोगों तक तरह–तरह से पहुँचाने लगे। यद्यपि विश्वविद्यालयों में पाठ्यचर्या पर कानून, आयुर्विज्ञान और धर्मशास्त्र का दबदबा रहा, फिर भी मानवतावादी विषय धीरे–धीरे स्कूलों में पढ़ाया जाने लगा। यह सिर्फ इटली में ही नहीं बल्कि यूरोप के अन्य देशों में भी हुआ।

❖ Artists and Realism

❖ कलाकार और यथार्थवाद

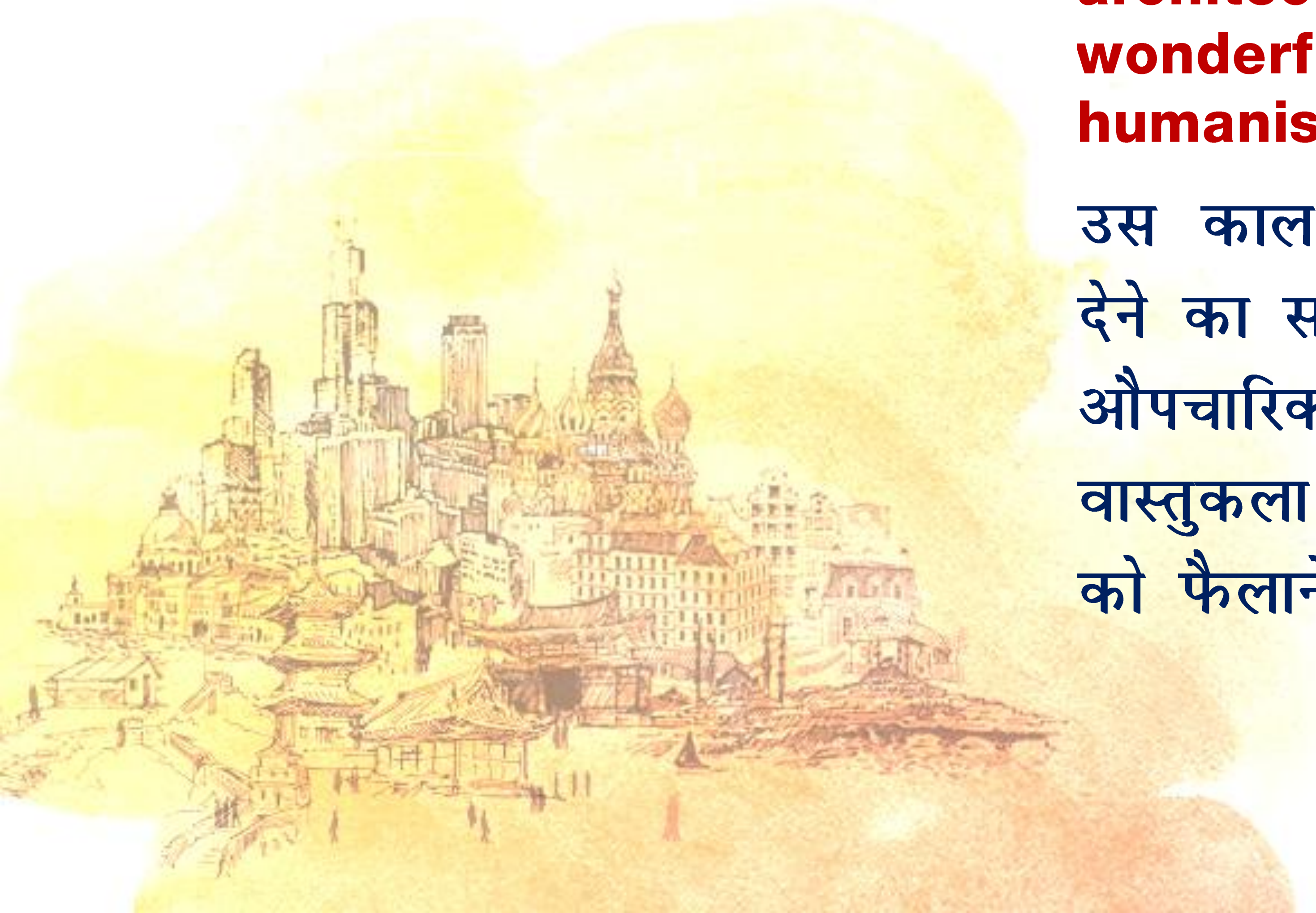

Formal education was not the only way through which humanists shaped the minds of their age. Art, architecture and books were wonderfully effective in transmitting humanist ideas.

उस काल के लोगों के विचार को आकार देने का साधन मानवतावादियों के लिए केवल औपचारिक शिक्षा ही नहीं थी। कला, वास्तुकला और ग्रंथों ने मानवतावादी विचारों को फैलाने में प्रभावी भूमिका निभाई।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

Artists were inspired by studying works of the past. The material remains of Roman culture were sought with as much excitement as ancient texts: a thousand years after the fall of Rome, fragments of art were discovered in the ruins of ancient Rome and other deserted cities.

पहले के कलाकारों द्वारा बनाए गए चित्रों के अध्ययन से नए कलाकारों को प्रेरणा मिली। रोमन संस्कृति के भौतिक अवशेषों की उतनी ही उत्सुकता के साथ खोज की गई जितनी कि अतीत के प्राचीन ग्रंथों की। रोम साम्राज्य के पतन के एक हज़ार साल बाद भी प्राचीन रोम और उसके उजाड नगरों के खंडहरों में कलात्मक वस्तुएँ मिलीं।

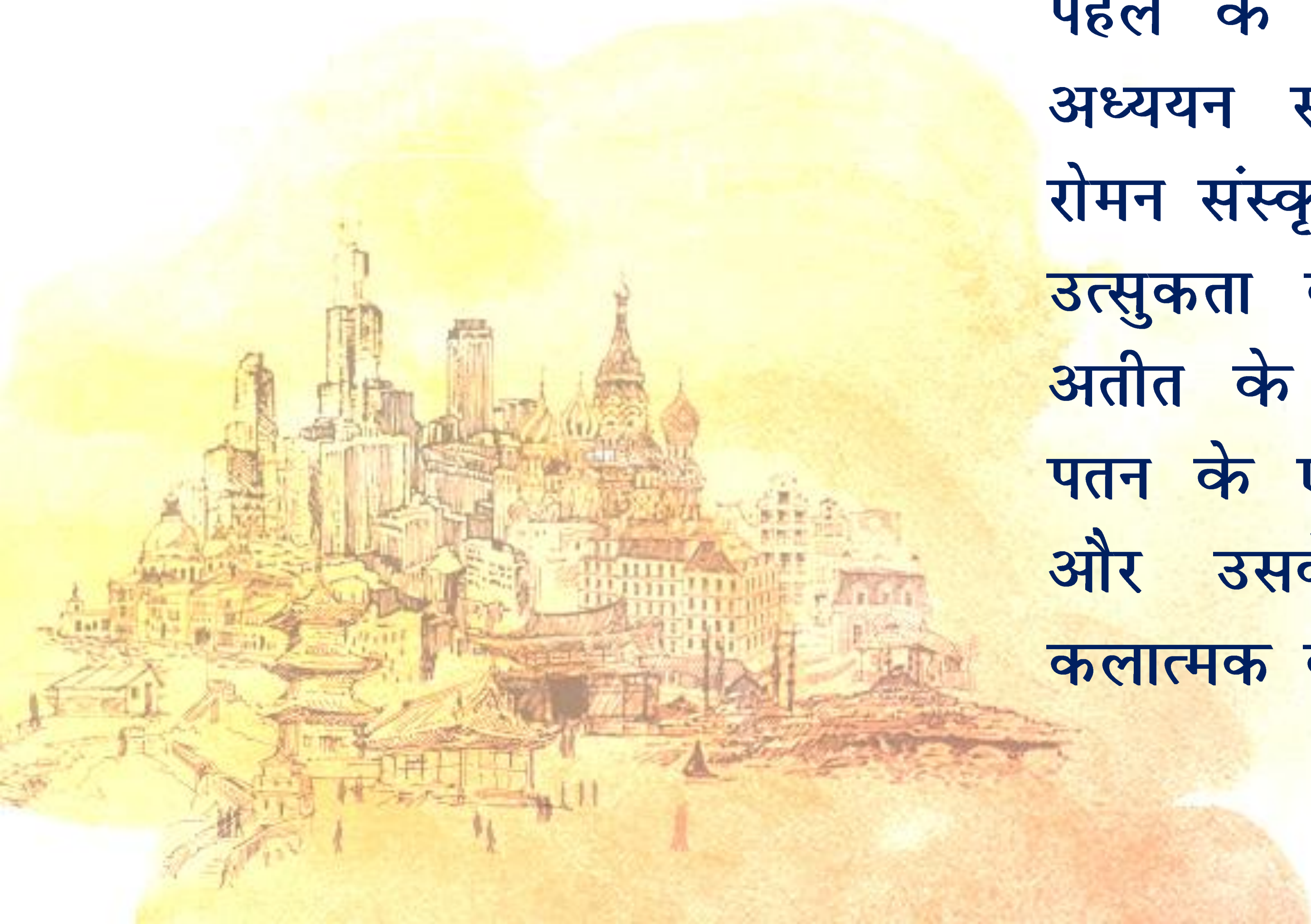

Their admiration for the figures of 'perfectly' proportioned men and women sculpted so many centuries ago, made Italian sculptors want to continue that tradition.

अनेक शताब्दियों पहले बनी आदमी और औरतों की 'संतुलित' मूर्तियों के प्रति आदर ने उस परंपरा को कायम रखने के लिए इतालवी वास्तुविदों को प्रोत्साहित किया।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

‘ “Art” is embedded in nature; he who can extract it, has it... Moreover, you may demonstrate much of your work by geometry. The more closely your work abides by life in its form, so much the better will it appear...No man shall ever be able to make a beautiful figure out of his own imagination unless he has well stored his mind by much copying from life.’

– Albrecht Durer (1471-1528)

“कला प्रकृति में रची–बसी होती है। जो इसके सार को पकड सकता है वही इसे प्राप्त कर सकता है... इसके अतिरिक्त आप अपनी कला को गणित द्वारा दिखा सकते हैं। ज़िंदगी की अपनी आकृति से आपकी कृति जितनी जुड़ी होगी उतना ही सुंदर आपका चित्र होगा। कोई भी आदमी केवल अपनी कल्पना मात्र से एक सुंदर आकृति नहीं बना सकता जब तक उसने अपने मन को जीवन की प्रतिछवि से न भर लिया हो।”

– अल्वर्ट ड्यूरर (**Albrecht Durer, 1471 - 1528**)

ड्यूरर का तूलिका चित्र **1508** – “प्रार्थना रत हस्त”

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

This sketch by Durer (Praying Hands) gives us a sense of Italian culture in the sixteenth century, when people were deeply religious, but also had a sense of confidence in man's ability to achieve near-perfection and to unravel the mysteries of the world and the universe.

ड्यूरर द्वारा बनाया गया यह रेखाचित्र (प्रार्थनारत हस्त) सोलहवीं शताब्दी की इतालवी संस्कृति का आभास कराता है जब यहां के लोग गहन रूप से धार्मिक थे। परंतु उन्हें मनुष्य की योग्यता पर भरोसा था कि वह निकट पूर्णता को प्राप्त कर सकता है और दुनिया तथा ब्रह्मांड के रहस्यों को सुलझा सकता है।

'दि पाइटा' चित्र में माइकेल एन्जिलो ने मेरी को ईसा के शरीर को धारण करते हुए दिखाया है।

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

This self-portrait is by Leonardo da Vinci (1452-1519) who had an amazing range of interests from botany and anatomy to mathematics and art. He painted the Mona Lisa and The Last Supper. One of his dreams was to be able to fly. He spent years observing birds in flight, and designed a flying machine.

He signed his name 'Leonardo da Vinci, disciple of experiment'.

यह स्वनिर्मित रूपचित्र लियोनार्डो दा विन्ची (**Leonardo da Vinci, 1452 - 1519**) का है जिनकी आश्चर्यजनक अभिरुचि वनस्पति विज्ञान और शरीर रचना विज्ञान से लेकर गणित शास्त्र और कला तक विस्तृत थी। उन्होंने मोना लीसा और द लास्ट सपर चित्रों की रचना की।

उनका यह स्वप्न था कि वे आकाश में उड सकें। वे वर्षो तक आकाश में पक्षियों के उड़ने का परीक्षण करते रहे और उन्होंने एक उड़न–मशीन (**Flying machine**) का प्रतिरूप (**Design**) बनाया। उन्होंने अपना नाम 'लियोनार्डो दा विन्ची, परीक्षण का अनुयायो' रखा।

Painters did not have older works to use as a model. But they, like sculptors, painted as realistically as possible.

चित्रकारों के लिए नमूने के तौर पर प्राचीन कृतियां नहीं थीं। लेकिन मूर्तिकारों की तरह उन्होंने यथार्थ चित्र बनाने की कोशिश की।

They found that a knowledge of geometry helped them understand perspective, and that by noting the changing quality of light, their pictures acquired a three-dimensional quality.

उन्हें अब यह मालूम हो गया कि रेखागणित (**geometry**) के ज्ञान से चित्रकार अपने परिदृश्य (**Perspective**) को ठीक तरह से समझ सकता है तथा प्रकाश के बदलते गुणों का अध्ययन करने से उनके चित्रों में त्रि-आयामी (**three dimentional**) रूप दिया जा सकता है।

The use of oil as a medium for painting also gave a greater richness of colour to paintings than before.

लेप चित्र (**Painting**) के लिए तेल के एक माध्यम के रूप में प्रयोग ने चित्रों को पूर्व की तुलना में अधिक रंगीन और चटख बनाया।

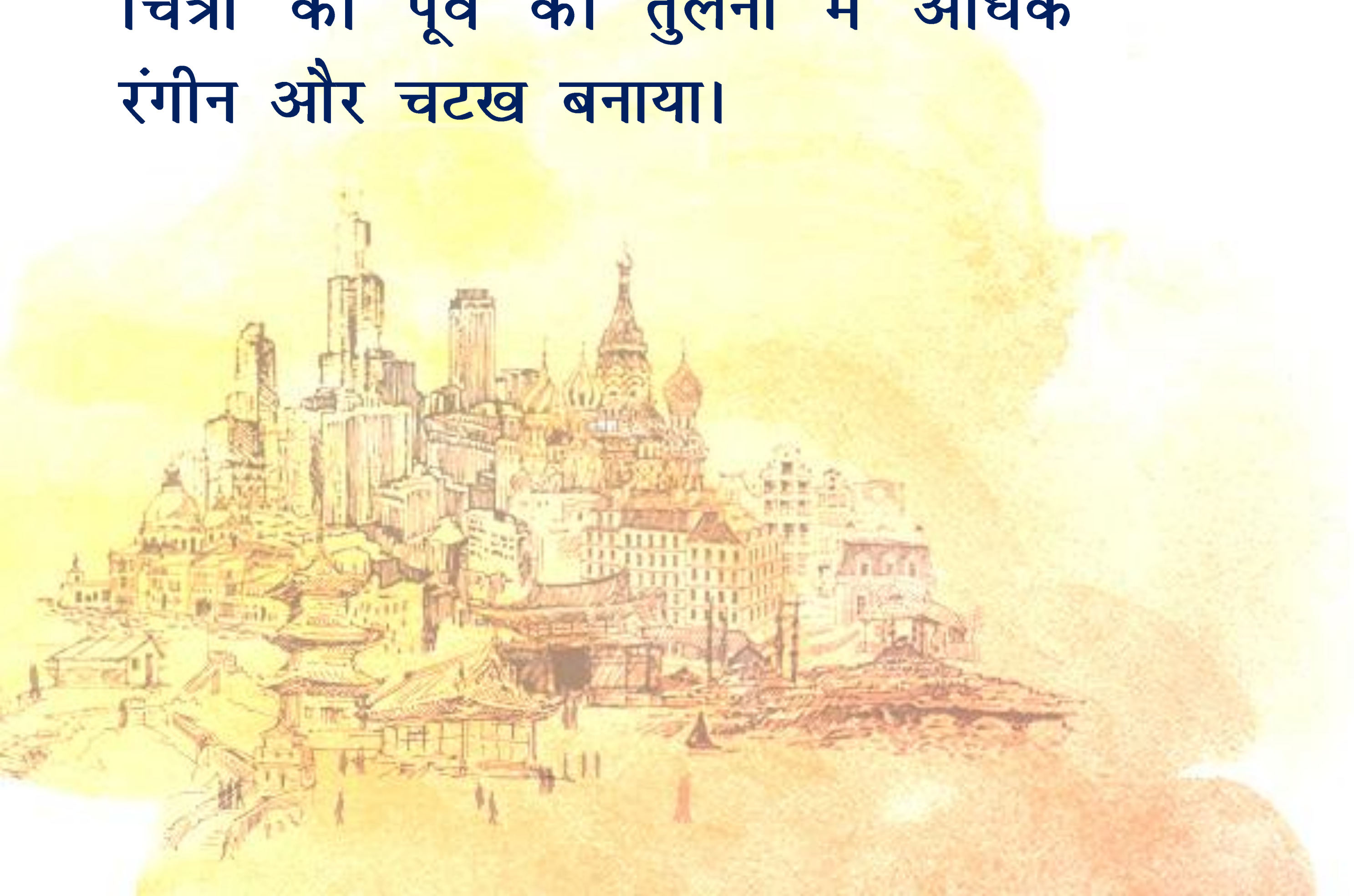

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

❖ Architecture

❖ वास्तुकला

The city of Rome revived in a spectacular way in the fifteenth century. From 1417, the popes were politically stronger because the weakness caused by the election of two rival popes since 1378 had ended.

पंद्रहवीं शताब्दी में रोम नगर भव्य रूप से पुनर्जीवित हो उठा। 1417 से पोप राजनैतिक दृष्टि से शक्तिशाली बन गए क्योंकि 1378 से दो प्रतिस्पर्धी पोप के निर्वाचन से जन्मी दुर्बलता का अंत हो गया था।

सोलहवीं शताब्दी की इटली की वास्तुकला ने रोम साम्राज्य कालीन अनेक भवनों की विशिष्टताओं की नकल की।

They actively encouraged the study of Rome's history. The ruins in Rome were carefully excavated by archaeologists (archaeology was a new skill).

उन्होंने रोम के इतिहास के अध्ययन को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया। पुरातत्त्वविदों (पुरात्तत्व का नया हुनर था) द्वारा रोम के अवशेषों का सावधानी से उत्खनन किया गया।

This inspired a ‘new’ style in architecture, which was actually a revival of the imperial Roman style – now called ‘classical’.

इसने वास्तुकला की एक ‘नयो शैली’ को प्रोत्साहित किया जो वास्तव में रोम साम्राज्य कालीन शैली का पुनरूद्धार थी जिसे अब ‘शास्त्रीय’ शैली कहा गया।

THEME
7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

Some individuals were skilled equally as painters, sculptors and architects. The most impressive example is Michelangelo Buonarroti (1475-1564) – immortalised by the ceiling he painted for the Pope in the Sistine Chapel, the sculpture called 'The Pieta' and his design of the dome of St Peter's Church, all in Rome.

इस काल में कुछ एसे भी लोग हुए जो कुशल चित्रकार, मूर्तिकार और वास्तुकार, सभी कुछ थे। इसका सबसे श्रेष्ठ उदाहरण माईकल एंजेलो बुआनारोत्ती (**Michael Angelo Buonarroti, 1475 - 1564**) हैं जिन्होंने पोप के सिस्टीन चैपल की भीतरी छत में लेपचित्र, 'दि पाइटा' नामक प्रतिमा, और सेंट पीटर गिरजे के गुम्बद का डिज़ाइन बनाया और इनकी वजह से माईकल एंजेलो अमर हो गए। य सारी कलाकृतियां रोम में ही हैं।

❖ The First Printed Books

❖ प्रथम मुद्रित पुस्तकें

If people in other countries wanted to see paintings, sculptures or buildings of great artists, they had to travel to Italy.

दूसरे देशों के लोग यदि महान कलाकारों द्वारा रचित लेप-चित्रों, मूर्तियों या भवनों को देखना चाहते थे तो उन्हें इटली की यात्रा करनी पड़ती थी।

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

Leon Batista Alberti (1404- 72) wrote on art theory and architecture. 'Him I call an Architect who is able to devise and to compleat all those Works which, by the movement of great Weights, and by the conjunction and amassment of Bodies can, with the greatest Beauty, be adapted to the uses of Mankind.'

लिओन बतिस्ता अल्बर्टी (**Leon Batista Alberti, 1402 - 72**) ने कला सिद्धांत और वास्तुकला पर लिखा। उन्होंने लिखा है: "मैं उसे वास्तुविद् मानता हूं जो नए-नए तरीकों का आविष्कार कर इस तरह अपने निर्माण को पूरा करे कि उसमें भारी वज़न को ठीक बैठाया गया हो और संपूर्ण कृति के संयोजन और द्रव्यमान में एसा तालमेल हो कि उसका सर्वाधिक सौन्दर्य उभर कर आए ताकि मानवमात्र के लिए इसका श्रेष्ठ उपयोग हो सके।"

दी ड्यूमा (**Duomo**), फ्लोरेंस के कथीड्रल का . गुम्बद, इसका डिज़ाइन ब्रूनेलेशी ने बनाया।

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

But in the case of the written word, what was written in Italy travelled to other countries. This was because of the greatest revolution of the sixteenth century – the mastery of the technology of printing.

किंतु जहां तक साहित्य की बात है जो कुछ भी इटली में लिखा गया विदेशों तक पहुँचा। य सब सोलहवीं शताब्दी की क्रांतिकारी मुद्रण प्रौद्योगिकी की दक्षता की वजह से हुआ।

For this, Europeans were indebted to other peoples – the Chinese, for printing technology, and to Mongol rulers because European traders and diplomats had become familiar with it during visits to their courts.

इसके लिए यूरोपीय लोग अन्य लोगों के–मुद्रण प्रौद्योगिकी के लिए चीनियों के तथा मंगोल शासकों के ऋणी रहे, क्योंकि यूरोप के व्यापारी और राजनयिक मंगोल शासकों के राज–दरबार में अपनी यात्राओं के दौरान इस तकनीक से परिचित हुए थे।

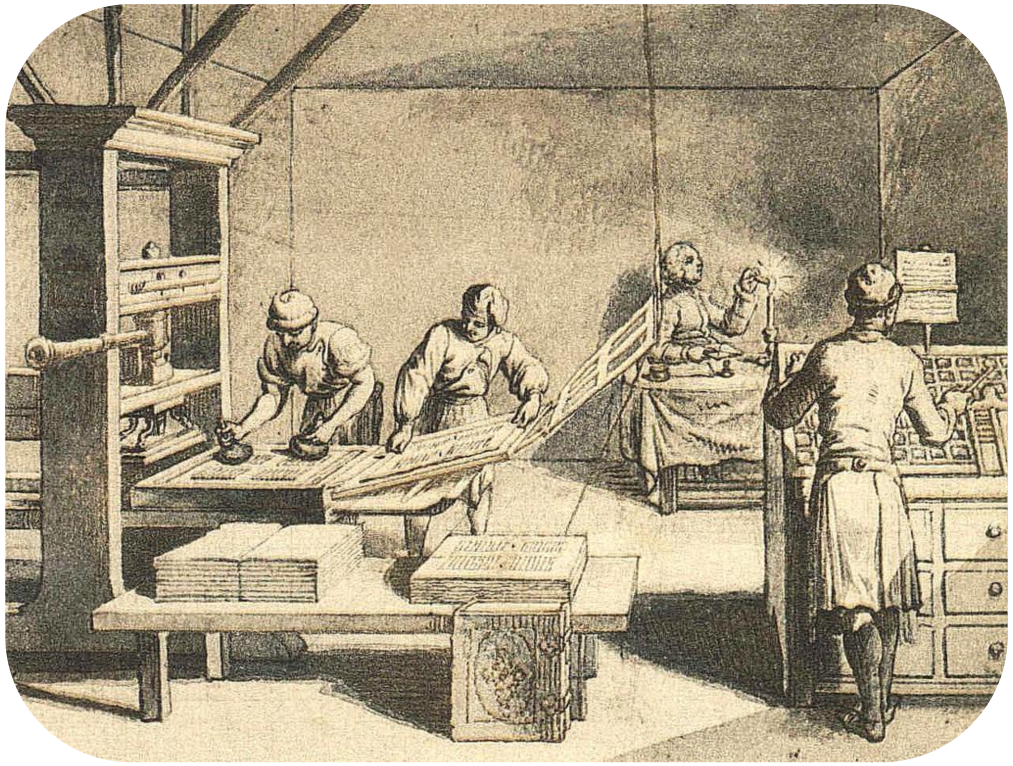

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

A printed book promoting new ideas could quickly reach hundreds of readers. This also made it possible for individuals to read books, since it was possible to buy copies for oneself. This developed the reading habit among people.

नय विचारों को बढ़ावा देने वाली एक मुद्रित पुस्तक कई सौ पाठकों के पास बहुत जल्दी पहुँच सकती थी। अब पाठक एकांत में बैठकर पुस्तकों को पढ़ सकता था क्योंकि वह उन्हें बाज़ार से खरीद सकता था। इससे लोगों में पढ़ने की आदत का विकास हुआ।

The chief reason that the humanist culture of Italy spread more rapidly across the Alps from the end of the fifteenth century is that printed books were circulating. This also explains why earlier intellectual movements had been limited to particular regions.

पंद्रहवी शताब्दी के अंत से इटली की मानवतावादी संस्कृति का आल्प्स (Alps) पर्वत के पार बहुत तेज़ी से फैलने का मुख्य कारण वहां पर छपी हुई पुस्तकों का वितरण था। इससे स्पष्ट है कि पहले के बौद्धिक आंदोलन खास क्षेत्रों तक ही सीमित क्यों रहते थे।

❖ A New Concept of Human Beings

❖ मनुष्य की एक नयी संकल्पना

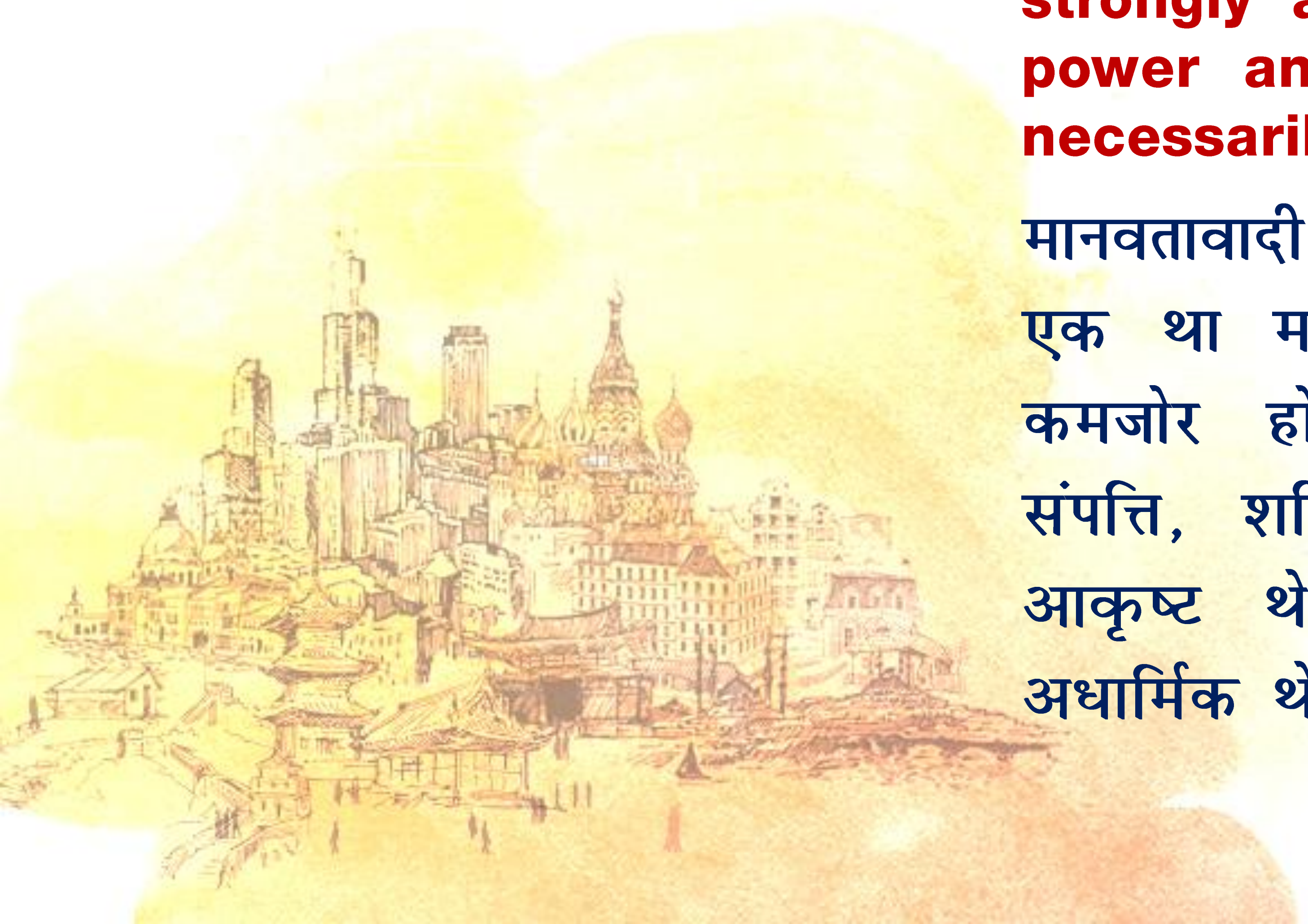

One of the features of humanist culture was a slackening of the control of religion over human life. Italians were strongly attracted to material wealth, power and glory, but they were not necessarily irreligious.

मानवतावादी संस्कृति की विशेषताओं में से एक था मानव जीवन पर धर्म का नियंत्रण कमजोर होना। इटली के निवासी भौतिक संपत्ति, शक्ति और गौरव से बहुत ज़्यादा आकृष्ट थे। परंतु य ज़रूरी नहीं कि वे अधार्मिक थे।

Francesco Barbaro (1390 -1454), a humanist from Venice, wrote a pamphlet defending acquisition of wealth as a virtue.

वेनिस के मानवतावादी फ्रेन्चेस्को बरबारो (**Francesco Barbaro, 1390 - 1454**) ने अपनी एक पुस्तिका में संपत्ति अधिग्रहण करने को एक विशेष गुण कहकर उसकी तरफ़दारी की।

Francesco Barbaro (1390 -1454),

In On Pleasure, Lorenzo Valla (1406-1457), who believed that the study of history leads man to strive for a life of perfection, criticised the Christian injunction against pleasure.

लोरेन्ज़ो वल्ला (**Lorenzo Valla, 1406 - 1457**) विश्वास करते थे कि इतिहास का अध्ययन मुनष्य को पूर्णतया जीवन व्यतीत करने के लिए प्रेरित करता है, उन्होंने अपनी पुस्तक ऑनप्लेज़र में भोग–विलास पर लगाई गई ईसाई धर्म की निषेधाज्ञा की आलोचना की।

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

Niccolo Machiavelli wrote about human nature in the fifteenth chapter of his book, The Prince (1513).

'So, leaving aside imaginary things, and referring only to those which truly exist, I say that whenever men are discussed (and especially princes, who are more exposed to view),

निकोलो मैक्यिावेली (छपबबवसव डंबीपंअमससप) अपने ग्रंथ दि प्रिंस (1513) के पंद्रहवें अध्याय में मनुष्य के स्वभाव के बारे में लिखते हैं–

"काल्पनिक बातों को यदि अलग कर दें और केवल उन्हीं विषयों के बारे में सोचें जो वास्तव में हैं, मैं यह कहता हूं कि जब भी मनुष्यों के बारे में चर्चा होती है (विशेषकर राजकुमारों के बारे में, जो जनता की नजर में रहते हैं)

they are noted for various qualities which earn them either praise or condemnation. Some, for example, are held to be generous, and others miserly. Some are held to be benefactors, others are called grasping; some cruel, some compassionate; one man faithless, another faithful; one man effeminate and cowardly, another fierce and courageous; one man courteous, another proud; one man lascivious, another pure; one guileless, another crafty; one stubborn, another flexible; one grave, another frivolous; one religious, another sceptical; and so forth.'

तो इनमें अनेक गुण देखे जाते हैं जिनके कारण वे प्रशंसा या निंदा के योग्य बने हैं। उदाहरण के लिए, कुछ को दानी माना जाता है और अन्य को कंजूस। कुछ लोगों को हितैषी माना जाता है तो अन्य को लोभी कहा जाता है; कुछ निर्दयी और कुछ दयालु। एक व्यक्ति अविश्वसनीय और दूसरा विश्वसनीय; एक व्यक्ति पौरुषहीन और कायर; दूसरा खूंखार और साहसी; एक व्यक्ति शिष्ट दूसरा घमंडी; एक व्यक्ति कामुक दूसरा पवित्र; एक निष्कपट दूसरा चालाक; एक अडियल दूसरा लचीला; एक गंभीर दूसरा छिछोरा; एक धार्मिक दूसरा संदेही इत्यादि।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

Machiavelli believed that 'all men are bad and ever ready to display their vicious nature partly because of the fact that human desires are insatiable'. The most powerful motive Machiavelli saw as the incentive for every human action is self-interest.

मैक्यिावेली यह मानते थे कि 'सभी मनुष्य बुरे हैं और वह अपने दुष्ट स्वभाव को प्रदर्शित करने में सदैव तत्पर रहते हैं क्योंकि कुछ हद तक मनुष्य की इच्छाएँ अपूर्ण रह जाती हैं।' मैक्यिावेली ने देखा कि इसके पीछे, प्रमुख कारण है कि मनुष्य अपने समस्त कार्यों में अपना स्वार्थ देखता है।"

Humanism also implied that individuals were capable of shaping their own lives through means other than the mere pursuit of power and money.

मानवतावाद का मतलब यह भी था कि व्यक्ति विशेष सत्ता और दौलत की होड को छोड़कर अन्य कई माध्यमों से अपने जीवन को रूप दे सकता था।

❖ The Aspirations of Women

❖ महिलाओं की आकांक्षाएँ

The new ideal of individuality and citizenship excluded women. Men from aristocratic families dominated public life and were the decision-makers in their families.

वैयक्तिकता (**individuality**) और नागरिकता के नए विचारों से महिलाओं को दूर रखा गया। सार्वजनिक जीवन में अभिजात व संपन्न परिवार के पुरुषों का प्रभुत्व था और घर–परिवार के मामले में भी वे ही निर्णय लेते थे।

THEME
7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

They educated their sons to take their place in family businesses or in public life, at times sending their younger sons to join the Church.

उस समय लोग अपने लड़कों को ही शिक्षा देते थे जिससे उनके बाद वे उनके खानदानी पेशे या जीवन की आम ज़िम्मेदारियों को उठा सकें। कभी-कभी वे अपने छोटे लड़कों को धार्मिक कार्य के लिए चर्च को सौंप देते थे।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

Although their dowries were invested in the family businesses, women generally had no say in how their husbands should run their business. Often, marriages were intended to strengthen business alliances.

यद्यपि विवाह में प्राप्त महिलाओं के दहेज़ को वे अपने पारिवारिक कारोबारों में लगा देते थे, तथापि महिलाओं को यह अधिकार नहीं था कि वे अपने पति को कारोबार चलाने के बारे में कोई राय दें। प्रायः कारोबारी मैत्री को सुदृढ़ करने के लिए दो परिवारों में आपस में विवाह संबंध होते थे।

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

If an adequate dowry could not be arranged, daughters were sent to convents to live the life of a nun. Obviously, the public role of women was limited and they were looked upon as keepers of the households.

अगर पर्याप्त दहेज़ का प्रबंध नहीं हो पाता था तो शादीशुदा लड़कियों को ईसाई मठों में भिक्षुणी (**Nun**) का जीवन बिताने के लिए भेज दिया जाता था। आम तौर पर सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी बहुत सीमित थी और उन्हें घर–परिवार को चलाने वाले के रूप में देखा जाता था।

The position of women in the families of merchants, however, was somewhat different. Shopkeepers were very often assisted by their wives in running the shop.

व्यापारी परिवारों में महिलाओं की स्थिति कुछ भिन्न थी। दुकानदारों की स्त्रियां दुकानों को चलाने में प्रायः उनकी सहायता करती थीं।

A few women were intellectually very creative and sensitive about the importance of a humanist education.

पर उस काल की कुछ महिलाएँ बौद्धिक रूप से बहुत रचनात्मक थीं और मानवतावादी शिक्षा की भूमिका के बारे में संवेदनशील थीं।

Venetian Cassandra Fedele (1465-1558)

'Even though the study of letters promises and offers no reward for women and no dignity', wrote the Venetian Cassandra Fedele (1465-1558), 'every woman ought to seek and embrace these studies.'

वेनिस निवासी कसान्द्रा फेदेले (**Cassandra Fedele, 1465 - 1558**) ने लिखा, "यद्यपि महिलाओं को शिक्षा न तो पुरस्कार देती है न किसी सम्मान का आश्वासन, तथापि प्रत्यक महिला को सभी प्रकार की शिक्षा को प्राप्त करने की इच्छा रखनी चाहिए और उसे ग्रहण करना चाहिए।"

Fedele was known for her proficiency in Greek and Latin, and was invited to give orations at the University of Padua.

फेदेले का नाम यूनानी और लातिनी भाषा के विद्वानों के रूप में विख्यात था। उन्हें पादुआ विश्वविद्यालय में भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

Venetian Cassandra Fedele (1465-1558)

Fedele's writings bring into focus the general regard for education in that age. She was one of many Venetian women writers who criticised the republic 'for creating a highly limited definition of freedom that favoured the desires of men over those of women'.

फेदेले की रचनाओं से यह बात सामने आती है कि इस काल में सब लोग शिक्षा को बहुत महत्त्व देते थे। वे वेनिस की अनेक लेखिकाओं में से एक थीं जिन्होंने गणतंत्र की आलोचना ''स्वतंत्रता की एक बहुत सीमित परिभाषा निर्धारित करने के लिए की, जो महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों की इच्छा का ज्यादा समर्थन करती थी।''

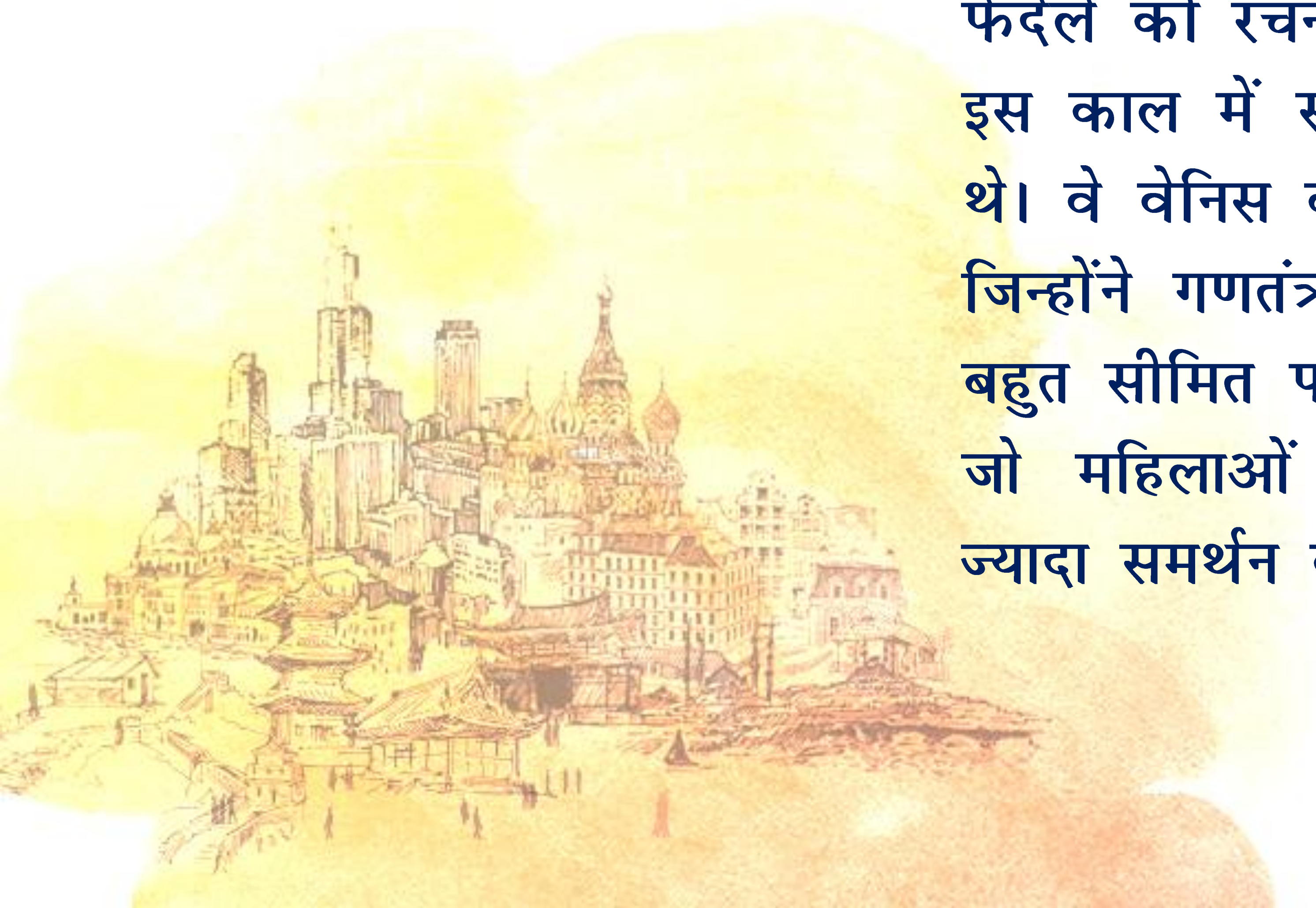

Another remarkable woman was the Marchesa of Mantua, Isabella d'Este (1474-1539). She ruled the state while her husband was absent, and the court of Mantua, a small state, was famed for its intellectual brilliance.

इस काल की एक अन्य प्रतिभाशाली महिला मंटुआ की मार्चिसा ईसाबेला दि इस्ते (Isabella d' Este,1474 - 1539) थीं। उन्होंने अपने पति की अनुपस्थिति में अपने राज्य पर शासन किया। यद्यपि मंटुआ, एक छोटा राज्य था तथापि उसका राजदरबार अपनी बौद्धिक प्रतिभा के लिए प्रसिद्ध था।

Isabella d' Este

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

Balthasar Castiglione, author and diplomat, wrote in his book The Courtier (1528): 'I hold that a woman should in no way resemble a man as regards her ways, manners, words, gestures and bearing.

लेखक और कूटनीतिज्ञ, बाल्थासार कास्टिल्योनी (**Balthasar Castiglione**) ने अपनी पुस्तक दि कोर्टियर (**1528**) में लिखा है– मेरे विचार से अपने तौर–तरीके, व्यवहार, बातचीत के तरीके, भाव–भंगिमा और छवि में एक महिला पुरुष के सदृश नहीं होनी चाहिए।

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

Thus just as it is very fitting that a man should display a certain robust and sturdy manliness, so it is well for a woman to have a certain soft and delicate tenderness, with an air of feminine sweetness in her every movement, which, in her going and staying and whatsoever she does, always makes her appear a woman, without any resemblance to a man.

जैसे कि यह कहना बिलकुल उपयुक्त होगा कि पुरुषों को हट्टा–कट्टा और पौरुषसंपन्न होना चाहिए इसी तरह एक स्त्री के लिए यह अच्छा ही है कि उसमें कोमलता और सहृदयता हो, एक स्त्रियोचित मधुरता का आभास उसके हर हाव–भाव में हो और यह उसके चाल–चलन, रहन–सहन और हर एसे कार्य में हो जो वह करती है, ताकि य सारे गुण उसे हर हाल में एक स्त्री के रूप में ही दिखाएँ, न कि किसी पुरुष के सदृश।

If this precept be added to the rules that these gentlemen have taught the courtier, then I think that she ought to be able to make use of many of them, and adorn herself with the finest accomplishments...

यदि उन महानुभावों द्वारा दरबारियों को सिखाए गए नियमों में इन नीति वचनों को जोड दिया जाए तो महिलाएँ इनमें से अनेक को अपनाकर खुद को बेहतरीन गुणों से सुसज्जित कर सकेंगी।

For I consider that many virtues of the mind are as necessary to a woman as to a man; as it is to be of good family; to shun affectation: to be naturally graceful; to be well mannered, clever and prudent; to be neither proud, envious or evil-tongued, nor vain... to perform well and gracefully the sports suitable for women.'

क्योंकि मेरा यह मानना है कि मस्तिष्क के कुछ एसे गुण हैं जो महिलाओं के लिए उतने ही आवश्यक हैं जितने कि पुरुष के लिए जैसे कि अच्छे कुल का होना, दिखावे का परित्याग करना, सहज रूप से शालीन होना, आचरणवान, चतुर और बुद्धिमान होना, गर्वी, ईर्ष्यालु, कटु और उद्दंड न होना...जिससे महिलाएँ उन क्रीड़ाओं को, शिष्टता और मनोहरता के साथ संपन्न कर सकें, जो उनके लिए उपयुक्त हैं।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

❖ Debates within Christianity

❖ ईसाई धर्म के अंतर्गत वाद–विवाद

Trade and travel, military conquest and diplomatic contacts linked Italian towns and courts with the world beyond.

व्यापार और सरकार, सैनिक विजय और कूटनीतिक संपकों के कारण इटली के नगरों और राजदरबारों के दूर–दूर के देशों से संपर्क स्थापित हुए।

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

The new culture was admired and imitated by the educated and the wealthy. Very few of the new ideas filtered down to the ordinary man who, after all, could not read or write.

नयो संस्कृति की शिक्षित और समृद्धिशाली लोगों द्वारा प्रशंसा ही नहीं की गई वरन् उसको अपनाया भी गया। परंतु इन नए विचारों में कुछ ही आम आदमी तक पहुँच सके क्योंकि वे साक्षर नहीं थे।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

In the fifteenth and early sixteenth centuries, many scholars in universities in north Europe were attracted to humanist ideas. Like their Italian colleagues, they too focused on classical Greek and Roman texts along with the holy books of the Christians.

पंद्रहवीं और आरंभिक सोलहवीं शताब्दियों में उत्तरी यूरोप के विश्वविद्यालयों के अनेक विद्वान मानवतावादी विचारों की ओर आकर्षित हुए। अपने इतालवी सहकर्मियों की तरह उन्होंने भी यूनान और रोम के क्लासिक ग्रंथों और ईसाई धर्मग्रंथों के अध्ययन पर अधिक ध्यान दिया।

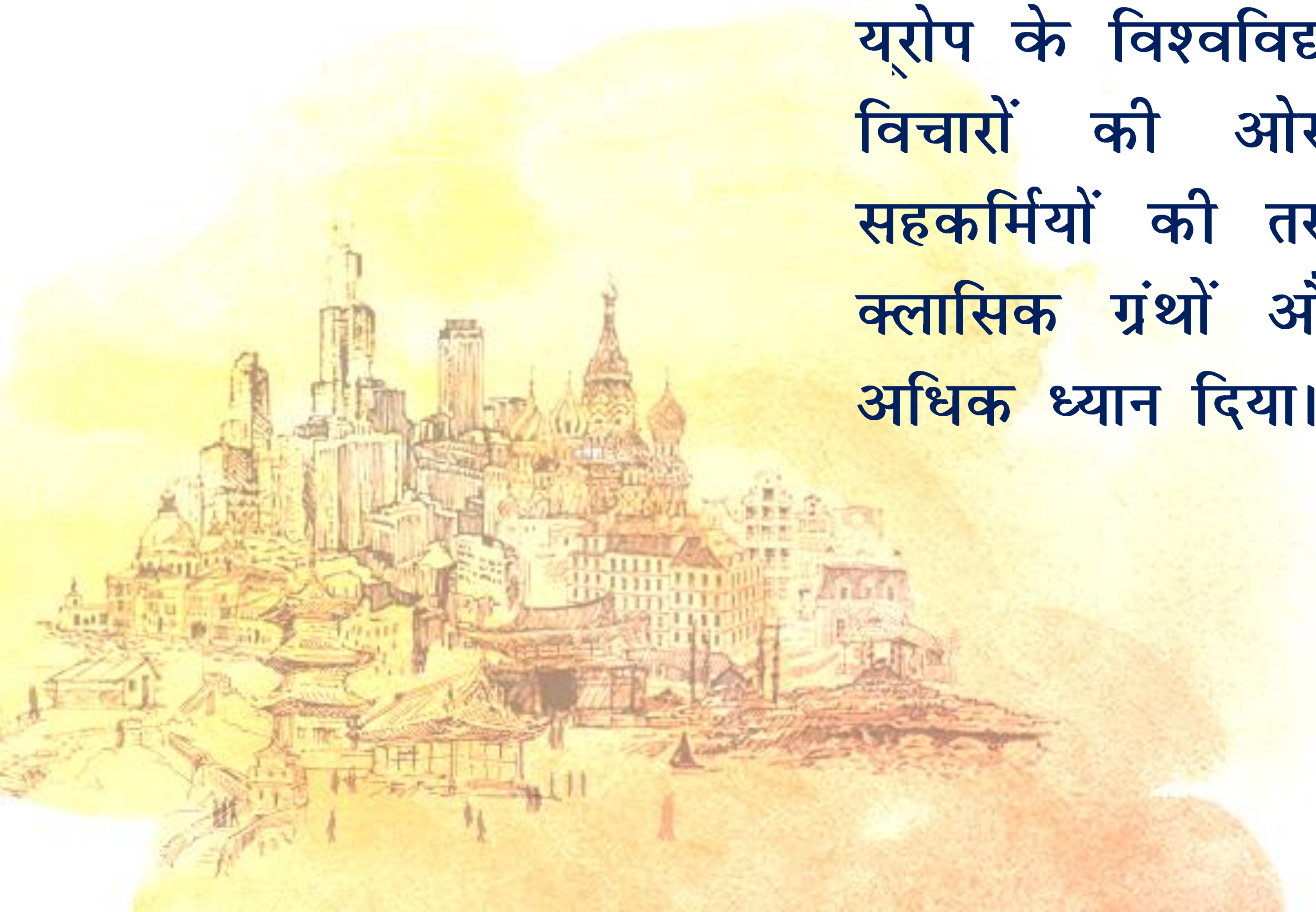

But, unlike Italy, where professional scholars dominated the humanist movement, in north Europe humanism attracted many members of the Church.

पर इटली के विपरीत जहां पेशेवर विद्वान मानवतावादी आंदोलन पर हावी रहे, उत्तरी यूरोप में मानवतावाद ने ईसाई चर्च के अनेक सदस्यों को आकर्षित किया।

They called on Christians to practise religion in the way laid down in the ancient texts of their religion, discarding unnecessary rituals, which they condemned as later additions to a simple religion.

उन्होंने ईसाइयों को अपने पुराने धर्मग्रथों में बताए गए तरीकों से धर्म का पालन करने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने अनावश्यक कर्मकांडों को त्यागने की बात की और उनकी यह कहकर निंदा की कि उन्हें एक सरल धर्म में बाद में जोड़ा गया है।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

One of the favourite methods of the clergy was to sell ‘indulgences’, documents which apparently freed the buyer from the burden of the sins he had committed.

पादरियों का लोगों से धन ठगने का सबसे सरल तरीका ‘पाप-स्वीकारोक्ति’ (indulgence) नामक दस्तावेज़ था जो व्यक्ति को उसके सारे किए गए पापों से छुटकारा दिला सकता था।

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

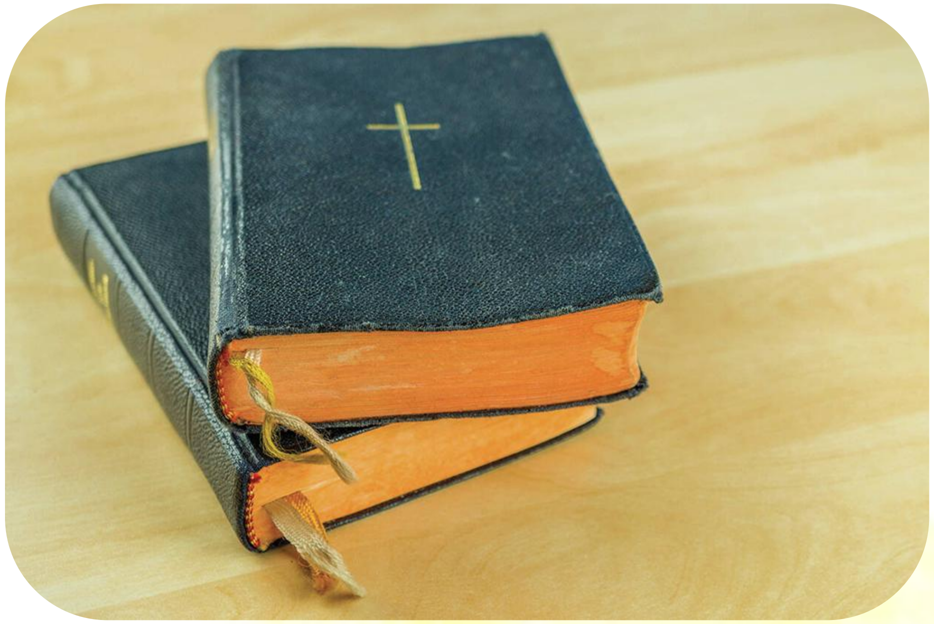

Christians came to realise from printed translations of the Bible in local languages that their religion did not permit such practices.

ईसाइयों को बाईबल के स्थानीय भाषाओं में छपे अनुवाद से यह ज्ञात हो गया कि उनका धर्म इस प्रकार की प्रथाओं के प्रचलन की आज्ञा नहीं देता है।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

In almost every part of Europe, peasants began to rebel against the taxes imposed by the Church. While the common folk resented the extortions of churchmen, princes found their interference in the work of the state irritating.

यूरोप के लगभग प्रत्यक भाग में किसानों ने चर्च द्वारा लगाए गए इस प्रकार के अनेक करों का विरोध किया। इसके साथ–साथ राजा भी राज–काज में चर्च की दखलअंदाज़ी से चिढ़ते थे।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

They were pleased when the humanists pointed out that the clergy's claim to judicial and fiscal powers originated from a document called the 'Donation of Constantine' supposed to have been issued by Constantine, the first Christian Roman Emperor.

जब मानवतावादियों ने उन्हें यह सूचित किया कि न्यायिक और वित्तीय शक्तियों पर पादरियों का दावा 'कॉन्स्टैनटाइन के अनुदान' नामक एक दस्तावेज़ से उत्पन्न होता है जो कि प्रथम ईसाई रोमन सम्राट कॉन्स्टैनटाइन द्वारा संभवतः जारी किया गया था, तो उन राजाओं को खुशी हुई।

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

In 1517, a young German monk called Martin Luther (1483-1546) launched a campaign against the Catholic Church and argued that a person did not need priests to establish contact with God.

1517 में एक जर्मन युवा भिक्षु मार्टिन लूथर (**Martin Luther, 1483 - 1546**) ने कैथलिक चर्च के विरुद्ध अभियान छेड़ा और इसके लिए उसने दलील पेश की कि मनुष्य को ईश्वर से संपर्क साधने के लिए पादरी की आवश्यकता नहीं है।

Martin Luther (1483-1546)

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

He asked his followers to have complete faith in God, for faith alone could guide them to the right life and entry into heaven. This movement – called the Protestant Reformation – led to the churches in Germany and Switzerland breaking their connection with the Pope and the Catholic Church.

उन्होंने अपने अनुयायियों को आदेश दिया कि वे ईश्वर में पूर्ण विश्वास रखें क्योंकि केवल उनका विश्वास ही उन्हें एक सम्यक् जीवन की ओर ले जा सकता है और उन्हें स्वर्ग में प्रवेश दिला सकता है। इस आंदोलन को प्रोटैस्टेंट सुधारवाद नाम दिया गया जिसके कारण जर्मनी और स्विटज़रलैंड के चर्च ने पोप तथा कैथलिक चर्च से अपने संबंध समाप्त कर दिए।

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

In Switzerland, Luther's ideas were popularised by Ulrich Zwingli (1484-1531) and later by Jean Calvin (1509-64). Backed by merchants, the reformers had greater popular appeal in towns, while in rural areas the Catholic Church managed to retain its influence.

स्विटज़रलैंड में लूथर के विचारों को उलरिक ज़्विंगली (**Ulrich Zwingli, 1484 – 1531**) और उसके बाद जौं कैल्विन (**Jean Calvin, 1509 - 64**) ने काफी लोकप्रिय बनाया। व्यापारियों से समर्थन मिलने के कारण सुधारकों की लोकप्रियता शहरों में अधिक थी, जबकि ग्रामीण इलाकों में कैथलिक चर्च का प्रभाव बरकरार रहा।

Ulrich Zwingli, 1484 – 1531

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

Other German reformers, like the Anabaptists, were even more radical: they blended the idea of salvation with the end of all forms of social oppression.

अन्य जर्मन सुधारक जैसे कि एनाबेपटिस्ट सम्प्रदाय के नेता इनसे कहीं अधिक उग्र–सुधारक थे। उन्होंने मोक्ष (salvation) के विचार को हर तरह के सामाजिक–उत्पीड़न के अंत होने के साथ जोड दिया।

Jean Calvin, 1509 - 64

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

They said that since God had created all people as equal, they were not expected to pay taxes and had the right to choose their priests. This appealed to peasants oppressed by feudalism.

उनका कहना था कि क्योंकि ईश्वर ने सभी इनसानों को एक जैसा बनाया है इसलिए उनसे कर देने की अपेक्षा नहीं की जानी चाहिए और उन्हें अपना पादरी चुनने का अधिकार होना चाहिए। इसने सामंतवाद द्वारा उत्पीड़ित किसानों को आकर्षित किया।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

William Tyndale (1494-1536), an English Lutheran who translated the Bible into English in 1506, defended Protestantism thus:

1506 में अंग्रेज़ी भाषा में बाईबल का अनुवाद करने वाले, लूथरवादी अंग्रेज़, विलियम टिंडेल (**William Tyndale, 1494 -1536**) ने प्रोटैस्टेंटवाद का इस तरह समर्थन किया:

'In this they be all agreed, to drive you from the knowledge of the scripture, and that ye shall not have the text thereof in the mother-tongue, and to keep the world still in darkness, to the intent they might sit in the consciences of the people, through vain superstition and false doctrine, to satisfy their proud ambition, and insatiable covetousness,

"इस बात से सब लोग सहमत होंगे कि वे आपको धर्मग्रंथ के ज्ञान से दूर रखने के लिए यह चाहते थे कि धर्मग्रंथ के अनुवाद आपकी मातृभाषा में उपलब्ध न हो सकें जिससे दुनिया अंधकार में ही रहे और वे [पुरोहित वर्ग] लोगों के अंतःकरण (conscience) में बने रहें जिससे उनके द्वारा बनाए व्यर्थ के अंधविश्वास और झूठे धर्मसिद्धांत चलते रहें; जिसके रहते उनकी ऊँची आकांक्षाएँ और अतृप्त लोलुपता पूरी हो सके।

and to exalt their own honour above king and emperor, yea, and above God himself… Which thing only moved me to translate the New Testament. Because I had perceived by experience, how that it was impossible to establish the lay-people in any truth, except the scripture were plainly laid before their eyes in their mother-tongue, that they might see the process, order, and meaning of the text. '

इस तरह वे राजा, सम्राट और यहां तक कि अपने को ईश्वर से भी ऊँचा बना सके… जिस बात ने मुझे मुख्य रूप से न्यू टेस्टामेंट का अनुवाद करने की प्रेरणा दी। मुझे अपने अनुभवों से ज्ञात हुआ कि सामान्य लोगों को किसी भी सच्चाई की तब तक जानकारी नहीं हो सकती जब तक उनके पास अपने धर्मग्रंथ के मातृभाषा में अनुवाद उपलब्ध न हों। इन अनुवादों से ही वे धर्मग्रंथ की परिपाटी, क्रम और अर्थ समझ सकेंगे।

Luther did not support radicalism. He called upon German rulers to suppress the peasants' rebellion,

लूथर ने आमूल परिवर्तनवाद (**Radicalism**) का समर्थन नहीं किया। उन्होंने आह्वान किया कि जर्मन शासक समकालीन किसान विद्रोह का दमन करें।

In England, the rulers ended the connection with the Pope. The king / queen was from then onwards the head of the Church.

इंग्लैंड के शासकों ने पोप से अपने संबंध तोड दिए। इसके उपरांत राजा / रानी इंग्लैंड के चर्च के प्रमुख बन गए।

The Catholic Church itself did not escape the impact of these ideas, and began to reform itself from within. In Spain and in Italy, churchmen emphasised the need for a simple life and service to the poor.

कैथलिक चर्च स्वयं भी इन विचारधाराओं के प्रभाव से अछूता नहीं रह सका और उसने अनेक आंतरिक सुधार करने प्रारंभ कर दिए। स्पेन और इटली में पादरियों ने सादा जीवन और निर्धनों की सेवा पर जोर दिया।

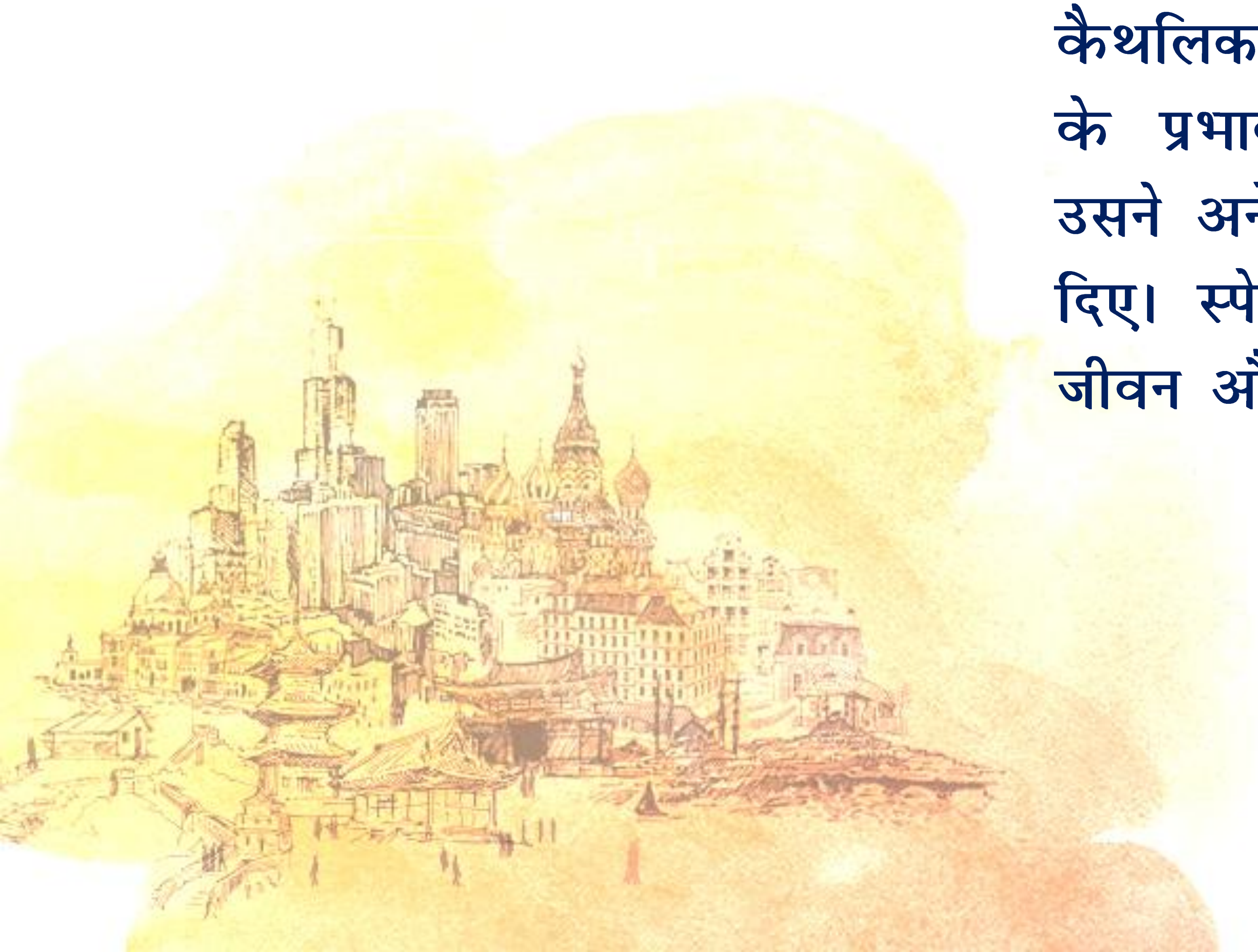

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

The Sixteenth and Seventeenth Centuries सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दियां	
1516	Thomas More's Utopia published टॉमस मोर की यूटोपिया (Utopia) का प्रकाशन
1517	Martin Luther writes the Ninety-Five Theses मॉर्टिन लूथर द्वारा नाइन्टी फाईव थिसेज़ की रचना
1522	Luther translates the Bible into German लूथर द्वारा बाईबल का जर्मन में अनुवाद
1525	Peasant uprising in Germany जर्मनी में किसान विद्रोह

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

1543	**Andreas Vesalius writes On Anatomy** एन्ड्रीयास वेसेलियस द्वारा ऑन एनॉटमी ग्रंथ की रचना
1559	**Anglican Church established in England, with the king / queen as its head** इंग्लैंड में आँग्ल–चर्च की स्थापना जिसके प्रमुख राजा / रानी थे
1569	**Gerhardus Mercator prepares cylindrical map of the earth** गेरहार्डस मरकेटर (**Gerhardus Mercator**) ने पृथ्वी का पहला बेलनाकार मानचित्र (**Cylindrical Map**) बनाया
1582	**Gregorian calendar introduced by Pope Gregory XIII** पोप ग्रैगरी **XIII** के द्वारा ग्रैगोरियन (**Gregorian**) कैलेंडर का प्रचलन

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

1628	**William Harvey links the heart with blood circulation** विलियम हार्वे (**William Harvey**) ने हृदय को रुधिर–परिसंचरण (**Blood circutaion**) से जोड़ा
1673	**Academy of Sciences set up in Paris** पेरिस में 'अकादमी ऑफ साइंसेज़' की स्थापना
1687	**Isaac Newton's Principia Mathematica published** आइज़क न्यूटन के प्रिन्सिपिया मैथेमेटिका (**Principia Mathematica**) का प्रकाशन

❖ The Copernican Revolution

❖ कोपरनिकसीय क्रांति

कोपरनिकस का आत्म-चित्र।

The Christian notion of man as a sinner was questioned from an entirely different angle – by scientists. The turning point in European science came with the work of Copernicus (1473-1543), a contemporary of Martin Luther.

ईसाइयों की यह धारणा थी कि मनुष्य पापी है इस पर वैज्ञानिकों ने पूर्णतया अलग दृष्टिकोण से आपत्ति की। यरोपीय विज्ञान के क्षेत्र में एक युगांतरकारी परिवर्तन मॉर्टिन लूथर के समकालीन कोपरनिकस (1473 - 1543) के काम से आया।

Christians had believed that the earth was a sinful place and the heavy burden of sin made it immobile. The earth stood at the centre of the universe around which moved the celestial planets.

ईसाइयों का यह विश्वास था कि पृथ्वी पापों से भरी हुई है और पापों की अधिकता के कारण वह स्थिर है। पृथ्वी, ब्रह्मांड (**universe**) के बीच में स्थिर है जिसके चारों और खगोलीय गृह (**celestial planets**) घूम रहे हैं।

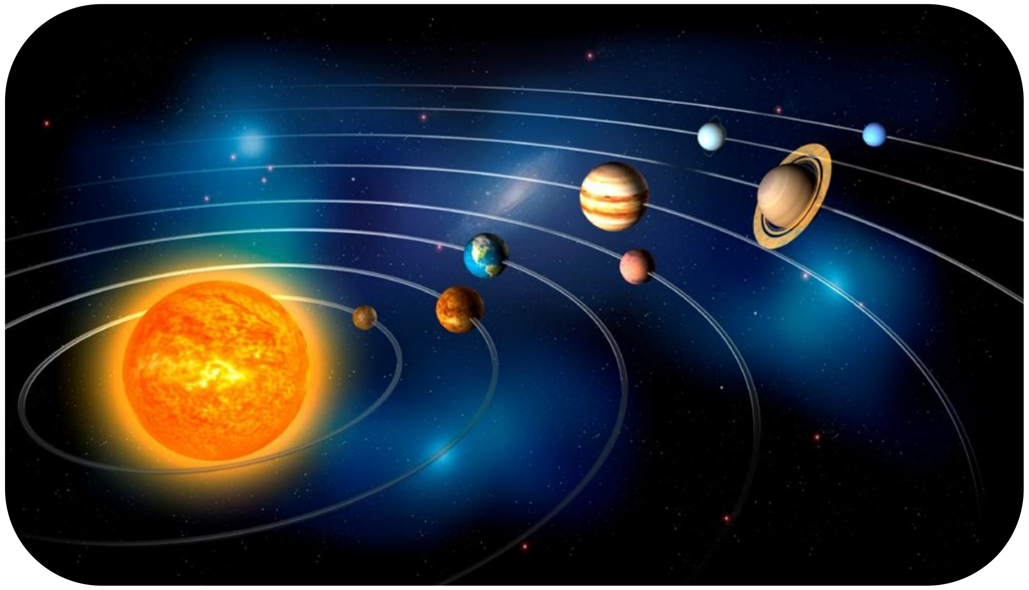

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

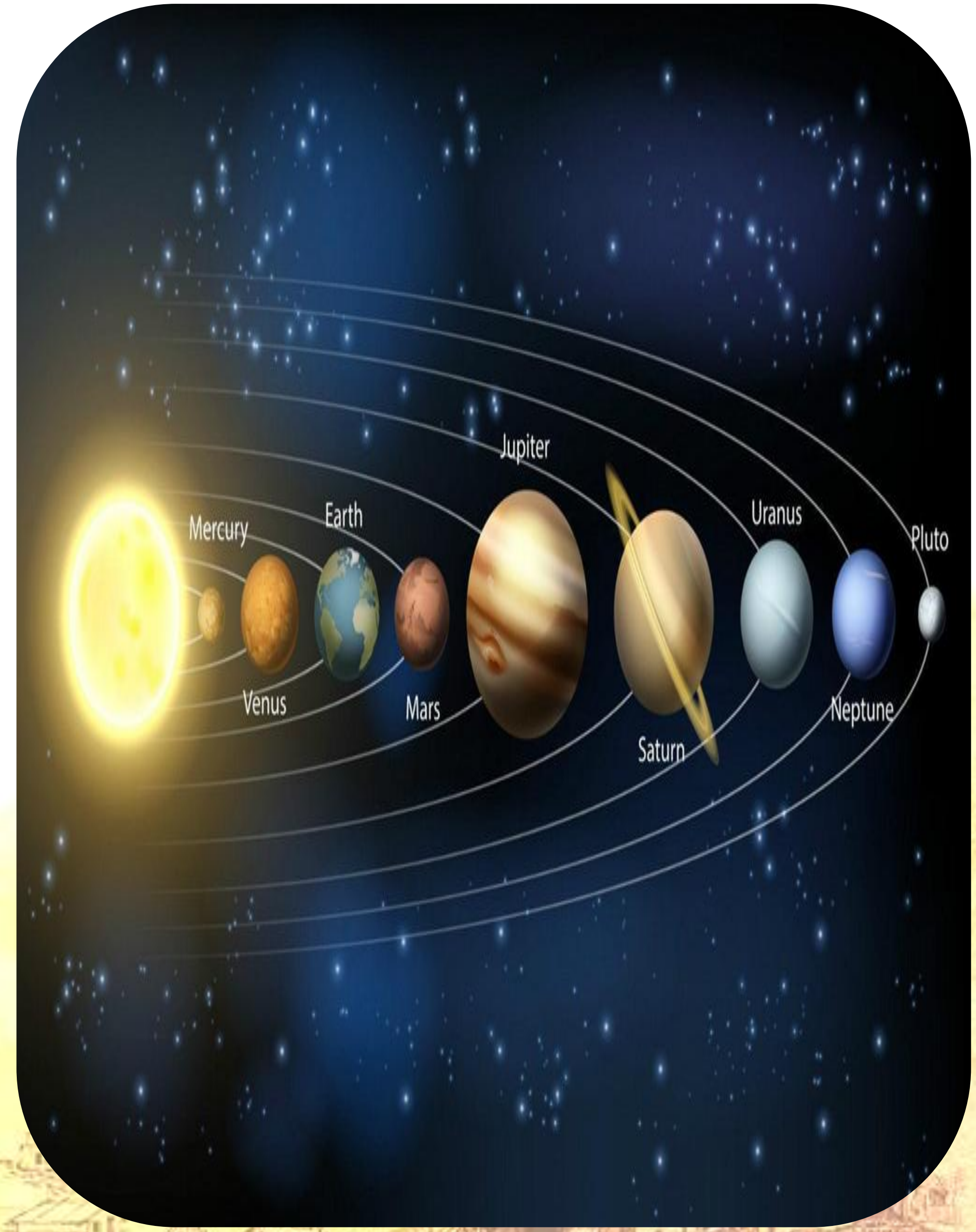

Copernicus asserted that the planets, including the earth, rotate around the sun. A devout Christian, Copernicus was afraid of the possible reaction to his theory by traditionalist clergymen. For this reason, he did not want his manuscript,

कोपरनिकस ने यह घोषणा की कि पृथ्वी समेत सारे ग्रह सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करते हैं। कोपरनिकस एक निष्ठावान ईसाई थे और वह इस बात से भयभीत थे कि उनकी इस नयो खोज से परंपरावादी ईसाई धर्माधिकारियों में घोर–प्रतिक्रिया उत्पन्न हो सकती है। यही कारण था कि वह अपनी पाण्डुलिपि को प्रकाशित नहीं कराना चाहते थे।

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

The theory of the earth as part of a sun-centred system was made popular by Kepler's Cosmographical Mystery, which demonstrated that the planets move around the sun not in circles but in ellipses.

कैप्लर ने अपने ग्रंथ कॉस्मोग्राफ़िकल मिस्ट्री (**Cosmographical Mystery** - खगोलीय रहस्य) में कोपरनिकस के सूर्य–केंद्रित सौरमंडलीय सिद्धांत को लोकप्रिय बनाया जिससे यह सिद्ध हुआ कि सारे ग्रह सूर्य के चारों ओर वृत्ताकार (**circles**) रूप में नहीं बल्कि दीर्घ वृत्ताकार (**ellipses**) मार्ग पर परिक्रमा करते हैं।

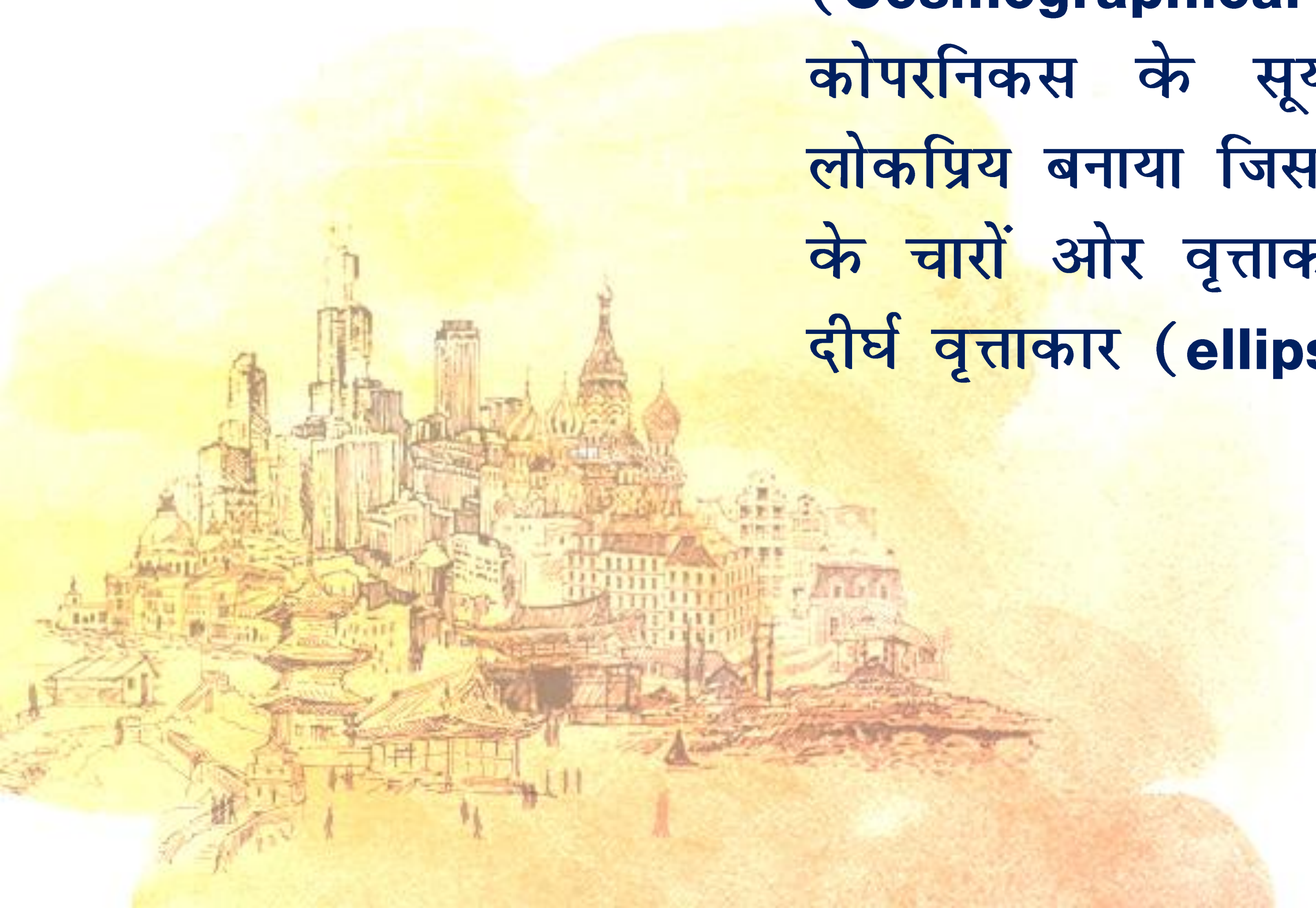

❖ Reading the Universe

❖ ब्रह्मांड का अध्ययन

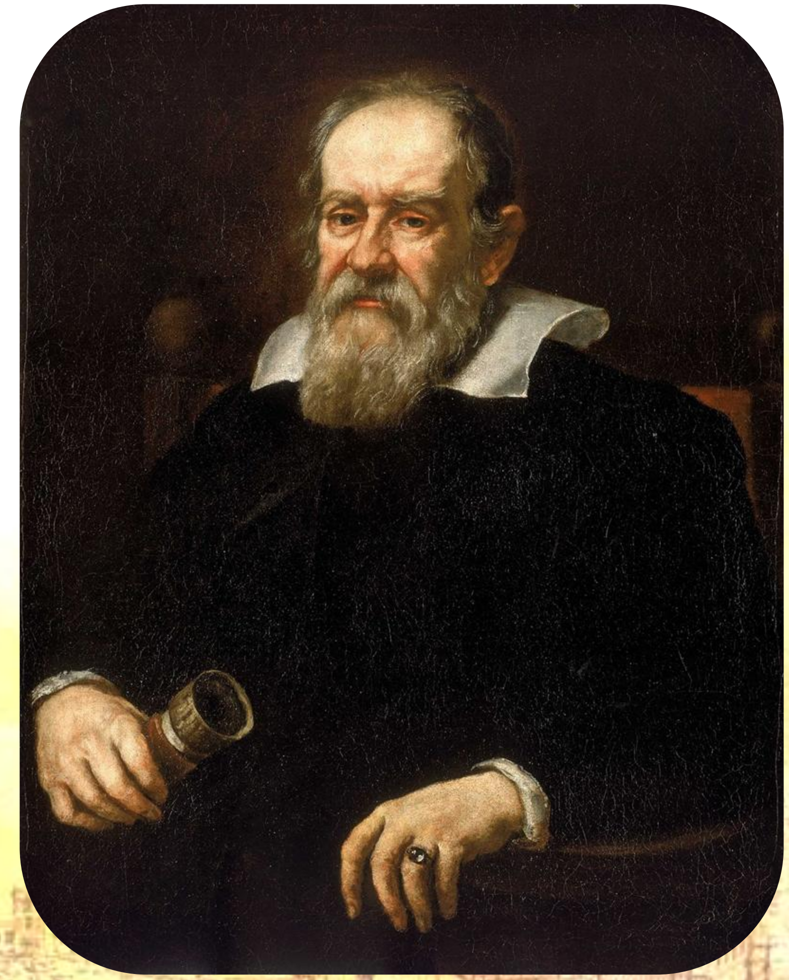

Galileo once remarked that the Bible that lights the road to heaven does not say much on how the heavens work. The work of these thinkers showed that knowledge, as distinct from belief, was based on observation and experiments.

गैलिलियो ने एक बार टिप्पणी की कि बाईबल जिस स्वर्ग का मार्ग आलोकित करता है वह स्वर्ग किस प्रकार चलता है, उसके बारे में कुछ नहीं बताता। इन विचारकों ने हमें बताया कि ज्ञान विश्वास से हटकर अवलोकन एवं प्रयोगों पर आधारित है।

Consequently, in the minds of sceptics and non-believers, God began to be replaced by Nature as the source of creation. Even those who retained their faith in God started talking about a distant God who does not directly regulate the act of living in the material world.

परिणामस्वरूप संदेहवादियों और नास्तिकों के मन में सारी सृष्टि की रचना के स्रोत के रूप में प्रकृति ईश्वर का स्थान लेने लगी। यहां तक कि वे लोग जिन्होंने ईश्वर में अपने विश्वास को बरकरार रखा वे भी एक दूरस्थ ईश्वर की बात करने लगे जो भौतिक दुनिया में जीवन को प्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित नहीं करता था।

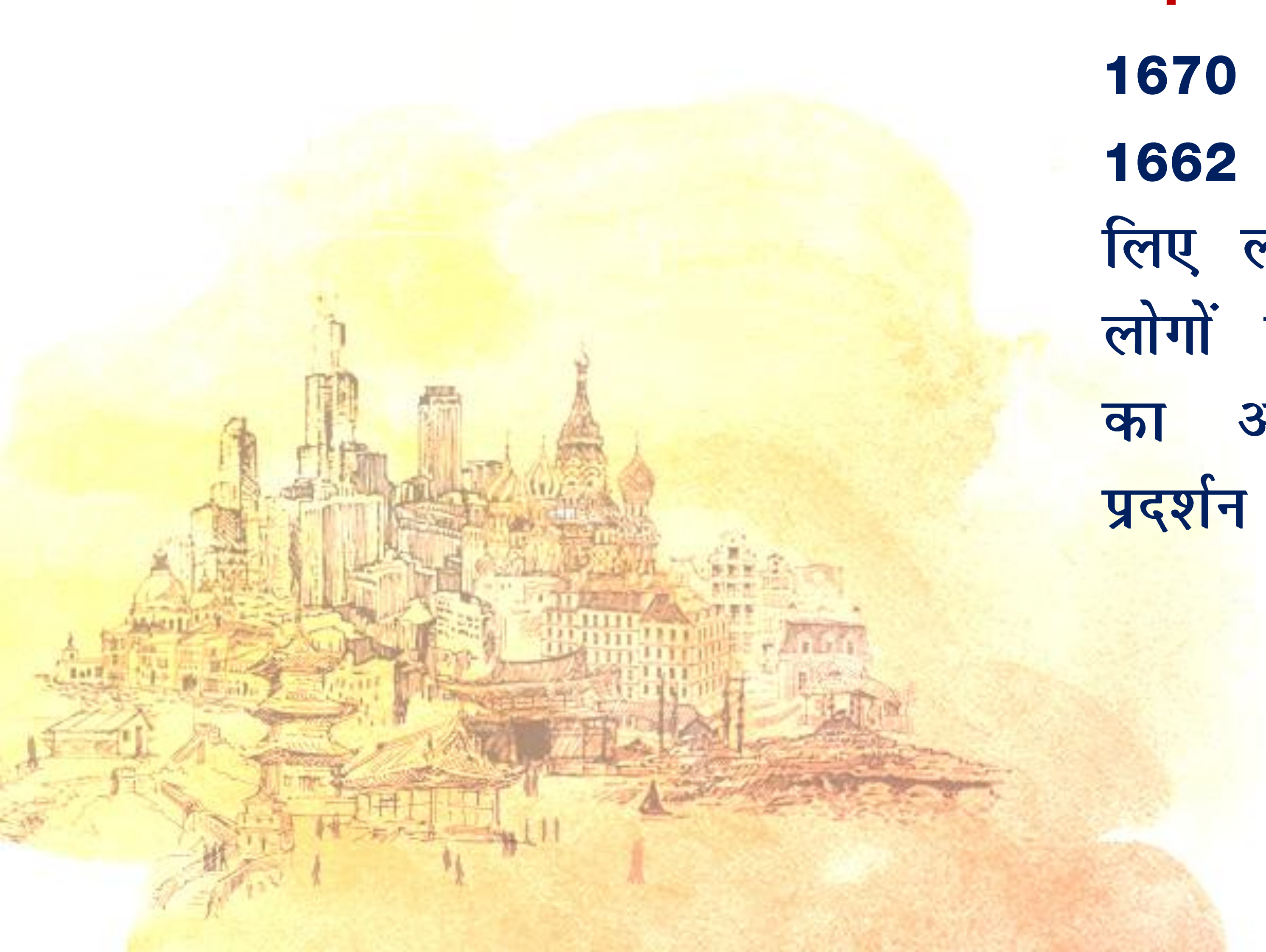

The Paris Academy, established in 1670 and the Royal Society in London for the promotion of natural knowledge, formed in 1662, held lectures and conducted experiments for public viewing.

1670 में बनी पेरिस अकादमी और **1662** में वास्तविक ज्ञान के प्रसार के लिए लंदन में गठित रॉयल सोसाइटी ने लोगों की जानकारी के लिए व्याख्यानों का आयोजन किया और सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रयोग करवाए।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

❖ Was there a European ‘Renaissance’ in the Fourteenth Century?
❖ चौदहवीं सदी में क्या यूरोप में ‘पुनर्जागरण’ हुआ था?

Recent writers, like Peter Burke of England, have suggested that Burckhardt was exaggerating the sharp difference between this period and the one that preceded it, by using the term ‘Renaissance’,

इंग्लैंड के पीटर बर्क (**Peter Burke**) जैसे हाल ही के लेखकों का यह सुझाव है कि बर्कहार्ट के य विचार अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। बर्कहार्ट इस काल और इससे पहले के कालों के फ़र्कों को कुछ बढ़ा-चढ़ा कर पेश कर रहे थे। एसा करने में उन्होंने पुनर्जागरण शब्द का प्रयोग किया।

which implies that the Greek and Roman civilisations were reborn at this time, and that scholars and artists of this period substituted the pre-Christian world-view for the Christian one.

इस शब्द में यह अंतर्निहित है कि यूनानी और रोमन सभ्यताओं का चौदहवीं शताब्दी में पुनर्जन्म हुआ और समकालीन विद्वानों और कलाकारों में ईसाई विश्वदृष्टि की जगह पूर्व ईसाई विश्वदृष्टि का प्रचार–प्रसार किया।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

To contrast the Renaissance as a period of dynamism and artistic creativity, and the Middle Ages as a period of gloom and lack of development is an over-simplification.

यह कहना कि पुनर्जागरण, गतिशीलता और कलात्मक सृजनशीलता का काल था और इसके विपरीत, मध्यकाल अंधकारमय काल था जिसमें किसी प्रकार का विकास नहीं हुआ था, ज़रूरत से ज्यादा सरलीकरण है।

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

Many elements associated with the Renaissance in Italy can be traced back to the twelfth and thirteenth centuries. It has been suggested by some historians that in the ninth century in France, there had been similar literary and artistic blossoming.

इटली में पुनर्जागरण से जुडे अनेक तत्व बारहवीं और तेरहवीं शताब्दी में पाए जा सकते हैं। कुछ इतिहासकारों ने इसका उल्लेख किया है कि नौवीं शताब्दी में फ्रांस में इसी प्रकार के साहित्यिक और कलात्मक रचनाओं के विचार पनपे।

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

The cultural changes in Europe at this time were not shaped only by the 'classical' civilisation of Rome and Greece. The archaeological and literary recovery of Roman culture did create a great admiration of that civilisation. But technologies and skills in Asia had moved far ahead of what the Greeks and Romans had known.

यूरोप में इस समय आए सांस्कृतिक बदलाव में रोम और यूनान की 'क्लासिकी' सभ्यता का ही केवल हाथ नहीं था। रोमन संस्कृति के पुरातात्त्विक और साहित्यिक पुनरुद्धार ने भी इस सभ्यता के प्रति बहुत अधिक प्रशंसा के भाव उभारे। लेकिन एशिया में प्रौद्योगिकी और कार्य-कुशलता यूनानी और रोमन लोगों की तुलना में काफी विकसित थी।

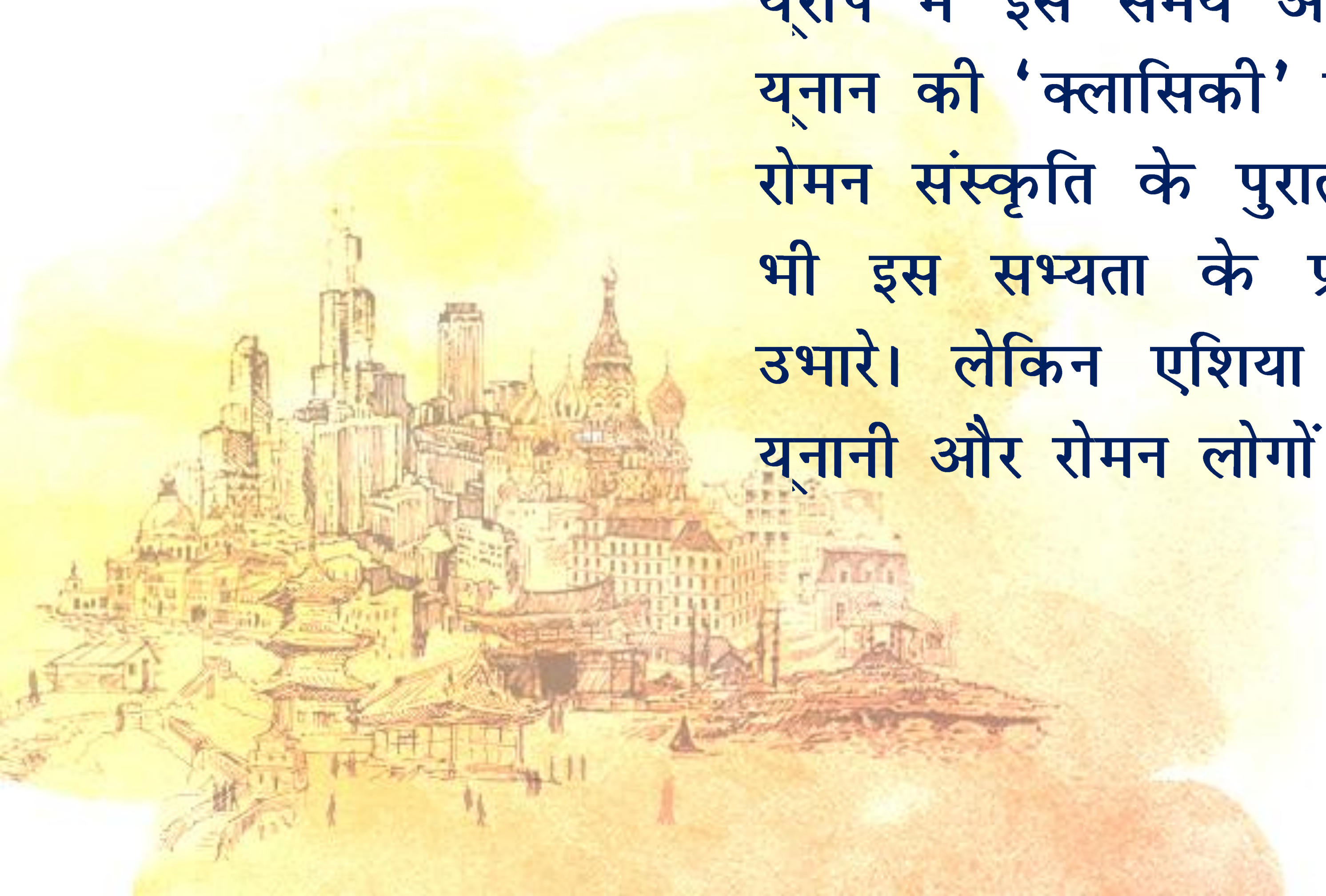

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

An important change that did happen in this period was that gradually the ‘private’ and the ‘public’ spheres of life began to become separate: the ‘public’ sphere meant the area of government and of formal religion; the ‘private’ sphere included the family and personal religion.

इस काल में जो महत्त्वपूर्ण परिवर्तन हुए उनमें धोरे–धोरे ‘निजी’ और ‘सार्वजनिक’ दो अलग–अलग क्षेत्र बनने लगे। जीवन के सार्वजनिक क्षेत्र का तात्पर्य सरकार के कार्यक्षेत्र और औपचारिक धर्म से संबंधित था और निजी क्षेत्र में परिवार और व्यक्ति का निजी धर्म था।

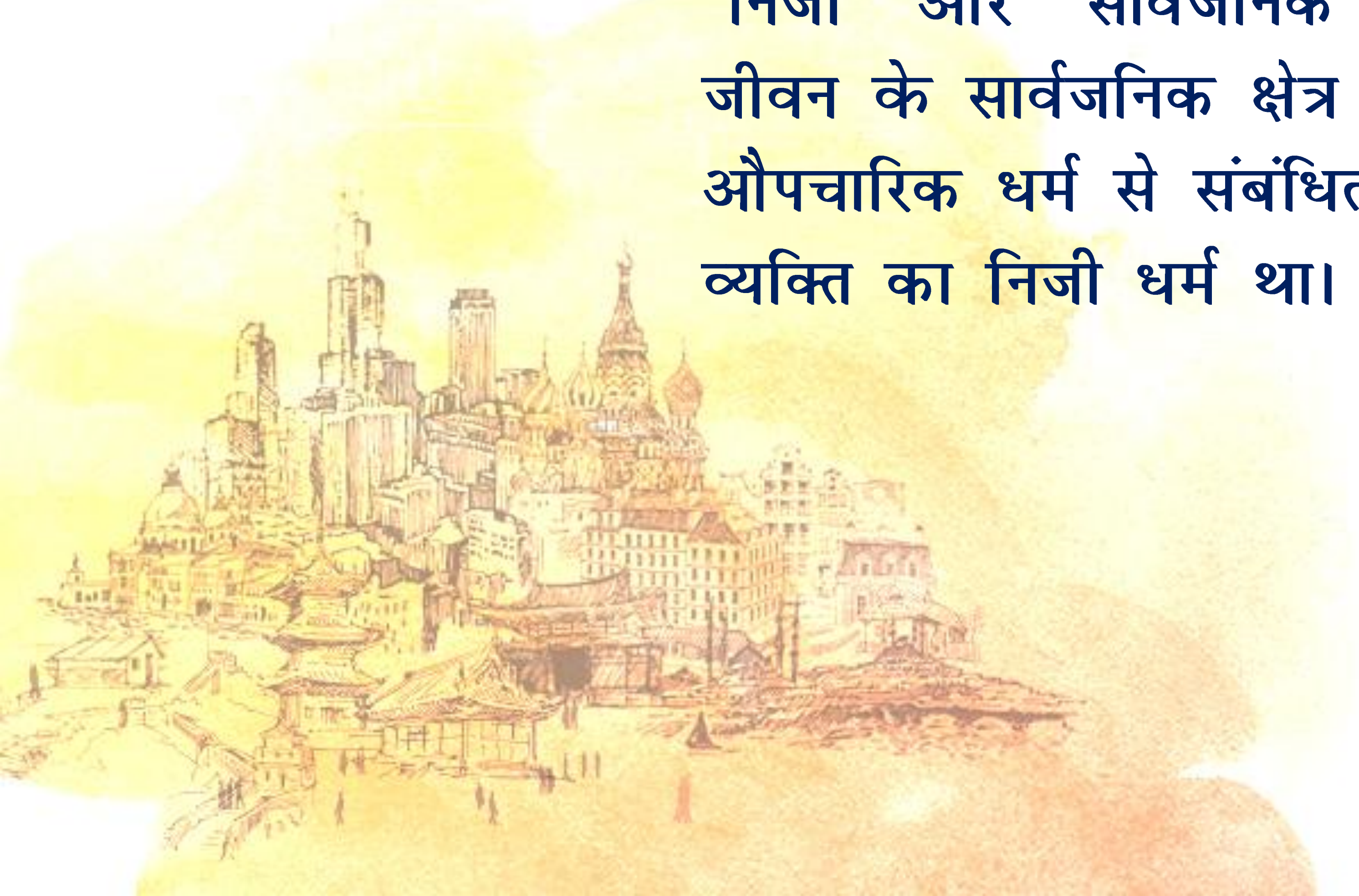

THEME 7th

CHANGING CULTURAL TRADITIONS
बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ

An artist was not just a member of a guild, he was known for himself. In the eighteenth century, this sense of the individual would be expressed in a political form, in the belief that all individuals had equal political rights.

एक कलाकार किसी संघ या गिल्ड (**guild**) का सदस्य मात्र ही नहीं होता था बल्कि वह अपने हुनर के लिए भी जाना जाता था। अठारहवीं शताब्दी में व्यक्ति की इस पहचान को राजनीतिक रूप में अभिव्यक्त किया गया, इस विश्वास के साथ कि प्रत्यक व्यक्ति के एकसमान राजनीतिक अधिकार हैं।

Another development was that the different regions of Europe started to have their separate sense of identity, based on language.

इस काल की एक अन्य महत्त्वपूर्ण विशेषता यह थी कि भाषा के आधार पर यूरोप के विभिन्न क्षेत्रों ने अपनी पहचान बनानी शुरू की।

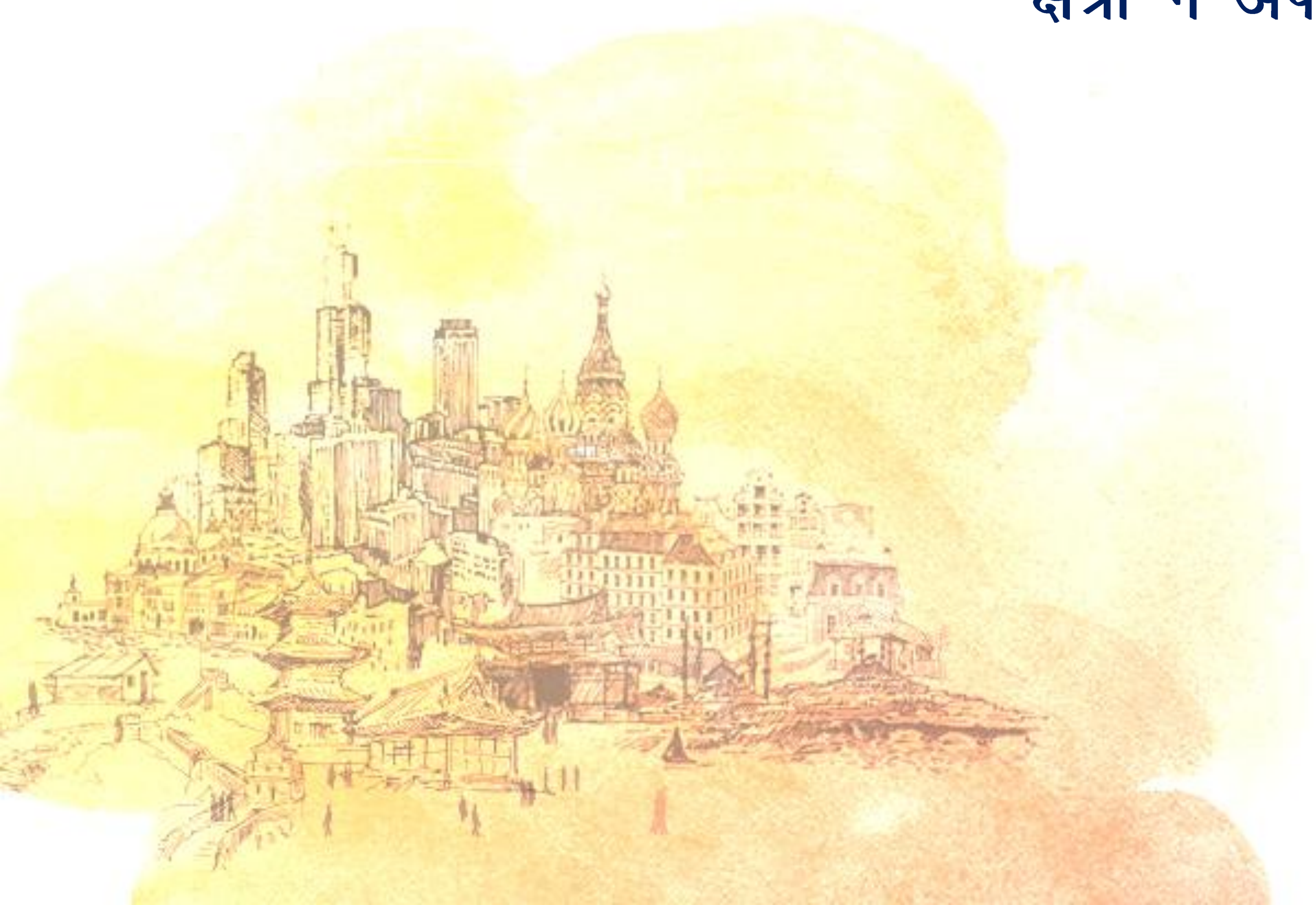

THANKS
FOR
WATCHING